मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 37
अंक : 71
भोपाल, मंगलवार
28 अप्रैल 2026
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

02 सुबह से सड़कों पर एक्शन में दिखे निगम कमिश्नर

प्रदेशभर से 50 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया भाग ← 06

दिल्ली में जल्द बनेंगे क्यूआर कोड वाले स्मार्ट राशन कार्ड

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राजधानी में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए दिल्ली सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सीएम रेखा गुप्ता ने नए स्मार्ट राशन कार्ड जारी करने के निर्देश दिए हैं। सरकार के मुताबिक, ये स्मार्ट राशन कार्ड नए डिजाइन, क्यूआर कोड और आधुनिक डिजिटल फीचर्स से लैस होंगे। इससे राशन वितरण की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज और सुरक्षित हो सकेगी। अधिकारियों का कहना है कि क्यूआर कोड के जरिए लाभार्थियों की पहचान आसानी से सत्यापित की जा सकेगी, जिससे फर्जीवाड़े पर रोक लगेगी और सही लोगों तक ही राशन पहुंचेगा। इसके अलावा, डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से वितरण प्रक्रिया की निगरानी भी बेहतर तरीके से हो पाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि 1 मई से हर शनिवार सुबह 9 बजे से 11 बजे तक सभी संबंधित केंद्रों पर 'जन शिकायत समाधान कैंप' लगाए जाएंगे। इन कैंपों में असिस्टेंट कमिश्नर की मौजूदगी सुनिश्चित की जाएगी।

पारदर्शिता बढ़ाने सीएम रेखा गुप्ता ने दिए निर्देश

उड़ता तीर

अंतर्मना उवाच

सफल व्यक्तियों की ज़िन्दगी की डायरी में ये शब्द नहीं होते... 'अभी नहीं', 'बाद में' या 'कल करेंगे'..!

इसीलिए वे सफलता के शिखर की उत्तुंग चोटी तक पहुँच पाते हैं। अन्यथ: आज हमारे पास आसमान छूने के सपने तो बहुत हैं, लेकिन उस दिशा में आगे बढ़ने का जोश और उत्साह नहीं है। हम कहते हैं... आज नहीं, कल या बाद में करेंगे।

परतापुर, जिला- बांसवाड़ा (राजस्थान) खुले आसमान में भरी दोपहर के 12 :30 बजे, 42 डिग्री तापमान में, तपस्वी सम्राट, अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज सामायिक करते हुए। सूरज की तपिश से धरती तप रही है, पर उनकी साधना अडिग है। न छाँव, न आसन, केवल आत्म-लीनता। पसीने की बूंदें भी मानो तप का अभिषेक कर रही हो...

*जीवन को बदलने का मन तो बहुत है, लेकिन पहल करने की शक्ति नहीं है। इस बार परीक्षा की अच्छी तैयारी करनी है, लेकिन सोचते हैं... कल करेंगे या बाद में करेंगे। संबंध सुधारने हैं, पर आज नहीं, बाद में। हमेशा यही बहाना -- **अभी मेरा समय ठीक नहीं है।***

अरे मूर्खानन्द..!

*शुभ, ऊर्जावान और सकारात्मक विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है। ये तो परमात्मा का दिया हुआ उपहार हैं और तुम रो रहे हो... समय ठीक नहीं है। **तुम्हारा समय कभी ठीक नहीं होगा, क्योंकि तुमने मान लिया है कि समय ठीक नहीं है।** आलसी, प्रमादी और निष्क्रिय लोगों के यही लक्षण होते हैं -- **'मेरा समय ठीक नहीं है' या 'कल करेंगे।'***

*सफल व्यक्तियों ने अपने जीवन के शब्दकोश से 'कल' और 'बाद में' जैसे घातक शब्दों को निकाल दिया है। इसीलिए वे सफलता के शिखर पर पहुँचते हैं। **कल पर किसी का अधिकार नहीं है। इसलिए 'कल' और 'बाद में' जैसे आलसी शब्दों को छोड़कर 'आज', 'अभी', इसी क्षण को अपनाओ।** किसी भी काम को टालने के बजाय उसे अभी करने की पहल करो। हाँ, पाप, गलत और अशुभ कार्यों को कल पर टाल दो और पुण्य, शुभ तथा परोपकार के कार्यों को आज, अभी, इसी क्षण शुरू कर दो।*

एक सूत्र याद रखो – अभी नहीं तो कभी नहीं...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

बच्चों के साथ फुटबॉल खेलकर ऊर्जा से भर गया: मोदी

- **सिक्किम राज्य के 50वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए मोदी**

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सिक्किम राज्य के 50वें स्थापना दिवस समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्य के

सिक्किम के दो दिन के दौरे पर पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार सुबह गंगटोक में बच्चों के साथ फुटबॉल खेली। पीएम ने सोशल मीडिया पर फुटबॉल खेलते हुए तस्वीरें शेयर की।

पीएम ने एक्स पर लिखा, 'इन बच्चों के साथ फुटबॉल खेलकर ऊर्जा से भर गया।' आज मोदी दौरे के दौरान उन्होंने 4000 करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। इससे पहले पीएम मोदी सोमवार शाम को सिक्किम पहुंचे थे।

इसके बाद उन्होंने लिबिंग हेलिपैड से गवर्नर हाउस तक उन्होंने रोड शो किया। 16 मई 2025 को सिक्किम को राज्य बने 50 साल पूरे हुए थे। तब पीएम वर्चुअली 50वें स्थापना दिवस समारोह से जुड़े थे। मंगलवार को एक साल से चल रहे समारोह का समापन होगा।

सुसाइड से पहले का वीडियो आया सामने

शिवराज और टंडन की हत्या के लिए दबाव बनाने का आरोप

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश के विदिशा जिले से एक चौंकाने वाला मामले सामने आया है। ट्रेन के सामने कूदकर एक किसान ने सोमवार को सुसाइड कर लिया। मध्यप्रदेश के विदिशा में सुसाइड करने वाला किसान बेहलोट गांव का गोविंद गुर्जर है। उसका सुसाइड से पहले का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें उसने पूर्व विधायक शशांक भार्गव पर गंभीर आरोप लगाते हुए नजर आ रहा है। वीडियो में उसने आरोप लगाया है कि पूर्व विधायक शशांक भार्गव शिवराज मामा और विधायक मुकेश टंडन की हत्या का दबाव बना रहा था। उनकी हत्या के लिए पूर्व विधायक पर किसान को रिवॉल्वर भी देने का आरोप है। हालांकि, मीडिया से बातचीत में पूर्व विधायक शशांक भार्गव ने इस मामले को षडयंत्र बताया है। वीडियो में किसान गोविंद गुर्जर ने बताया कि उन्होंने पूर्व विधायक शशांक भार्गव का खेत बटाईदारी पर लिया था। जहां 2023 से लेकर 2025 तक खेती-किसानी की। यहां धान और गेहूं फसल बोने के लिए लोन लिया था।

किसान बोला- भार्गव करवाना चाहता था हत्या, पूर्व विधायक ने बताया राजनीतिक षडयंत्र

तरबूज खाने से 4 लोगों की मौत

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में तरबूज खाने के बाद एक ही परिवार के चार लोगों की संदिग्ध मौत हो गई। इस मामले में फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने सैंपल भेजकर जांच शुरू कर दी है। मुंबई में एक ही परिवार के चार लोगों की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने जांच का दायरा और तेज कर दिया है। शुरुआती तौर पर तरबूज खाने के बाद फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई जा रही थी, लेकिन अब तक की जांच में कोई स्पष्ट संदिग्ध कारण सामने नहीं आया है।

मूल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिये लाये यूसीसी: मुकेश नायक

भोपाल। एमपी में यूसीसी को लेकर सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए 6 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। कमेटी के गठन पर एमपी कांग्रेस के मीडिया अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा कि, अगर सही मायने में भारतीय जनता पार्टी समान कानून समान अधिकार कानून को लेकर बनाना चाहती है तो सबसे पहले शिक्षा को समान अधिकार में शामिल करना चाहिए जैसे मनमोहन सिंह ने सर्व शिक्षा अभियान लागू किया था समान पाठ्यक्रम हो, समान फीस हो, समान यूनिफार्म हो पूरे भारत के बच्चों की और सबसे बड़ी चीज है एक जैसा सिलेबस हो पाठ्यक्रम हो। वहाँ तो समान अधिकार नहीं बनाते हैं, लेकिन समान अधिकार वहाँ की बात करते हैं जहाँ एक वर्ग को उकसाने के लिए एक अपने राजनैतिक अधिकारों का औजार के रूप में इस्तेमाल बीजेपी करती है ताकि दूसरे वर्ग पर उसकी प्रतिक्रिया हो और देश के लोग भूख, गरीबी, अज्ञान, अशिक्षा, महंगाई, बेरोजगारी जैसे किसानों के एमएसपी जैसे मूलभूत मुद्दों को देश की जनता भूल जाए और पूरा ध्यान दूसरी तरफ चला जाए।

और खूबसूरत हुई एमपी की वाइल्ड लाइफ

सीएम डॉ. मोहन यादव ने रिलीज किए 4 जंगली भैंसे

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश के वाइल्ड लाइफ और ईको-सिस्टम के लिए 28 अप्रैल का दिन बेहद खास रहा। आज प्रदेश की धरती यानी कान्हा टाइगर रिजर्व में चार जंगली भैसों की आमद हुई। इनमें एक नर और तीन मादा हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट जिले के सूपखार-टोपला क्षेत्र में इन भैसों को रिलीज किया। इन भैसों की आमद से एक तरफ प्रदेश के जंगल समृद्ध होंगे, तो दूसरी तरफ टूरिज्म पर भी सकारात्मक असर होगा। इनके आने से स्थानीय रोजगार भी बढ़ेगा। मध्यप्रदेश सरकार इन भैसों को असम के काजीरंगा नेशनल पार्क से लाई है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। 150 साल बाद मध्यप्रदेश की धरती पर, कान्हा टाइगर रिजर्व में एक बार फिर जंगली भैंसा आया है। यह हमारे पर्यावरण के लिए, पारिस्थितिक तंत्र के लिए अद्भुत अवसर है। हमारी अपनी धरती पर हमारे यहां से गए हुए मेहमान का शुभागमन है। इनके आने से पारिस्थितिक तंत्र मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे ही अवसरों से हमारा जंगल समृद्ध होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वो सारे वन्य प्राणी जो एक-एक करके विलुप्त हो गए थे और यहां से चले गए थे, वो अब मध्यप्रदेश के जंगल में आ रहे हैं।

ईको-सिस्टम पर होगा इतना असर

- **बालाघाट जिले के सूपखार-टोपला क्षेत्र में हुआ कार्यक्रम**
- **मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कान्हा टाइगर रिजर्व में छोड़े भैंसे**
- **ईको-सिस्टम के साथ-साथ टूरिज्म पर होगा सकारात्मक असर**
- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फिर समृद्ध हो रहे जंगल**

भावी पीढ़ी को मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज हमारा प्रदेश चीता और लेपर्ड स्टेट है। प्रदेश में मगरमच्छ घड़ियाल और भेड़िया भी पर्याप्त संख्या में पाए जाते हैं। प्रदेश अब वल्चर स्टेट यानी गिद्ध स्टेट भी बना है। वन्य प्राणियों के मामले में मध्यप्रदेश का गौरवशाली इतिहास रहा है। प्रदेश अब इन वन्य प्राणियों से दोबारा समृद्ध हो रहा है। कई सौ साल पहले विलुप्त हुए पर अपनी प्राणियों के पुनर्स्थापना से मध्य प्रदेश के समृद्ध वन और वन्य प्राणियों के संरक्षण का सपना साकार हो रहा है। हमारा यह प्रयास भावी पीढ़ियों को लाभ देगा।

बढ़ेगा टूरिज्म और रोजगार

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि इन जानवरों से हमारे जंगलों की शोभा बढ़ेगी। यह आकर्षण का केंद्र भी बनेगा। टूरिज्म पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे हमारा असम के साथ एक नया रिश्ता भी बना है। मैं असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा को भी धन्यवाद देता हूं। पिछली मुलाकात में हमने जंगली भैंसा और गैंडा लाने की बात की थी। आज उस मुलाकात का पहला चरण शुरू हुआ है। 4 जंगली भैंसे हमारे पास आए हैं। इनमें तीन फीमेल और एक मेल है। ये किशोरावस्था से आगे बढ़ रहे हैं। इसलिए स्वस्थ रहेंगे। ये मां कामाख्या का आशीर्वाद भी हैं।

लिखा जा रहा नया इतिहास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकारें अधोसंरचना और जन कल्याण के काम तो करती ही हैं, लेकिन परिस्थिति तंत्र के लिए कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से वर्ष 2022 में समूचे एशिया महाद्वीप से गायब हो चुके चीतों को फिर से बसाया गया। हमारे गांधी सागर और श्योपुर के कुनो में चीते आनंद से रह रहे हैं। हमारा नोरादेही अभ्यारण्य भी चीतों के लिए तैयार हो रहा है। अभी कल के दिन भी हमने नारी सशक्तिकरण का एक बड़ा निर्णय करते हुए विधानसभा का विशेषण बुलाया और आज ही हमने जंगल की खूबसूरती बढ़ाने के लिए जंगल के नए मेहमान का स्वागत किया है। कान्हा की धरती हमारे जंगल का नया इतिहास लिखा जा रहा है।

बंगाल चुनाव में ऑब्ज़र्वर आईपीएस अजय पाल का वीडियो हुआ वायरल

तृणमूल कांग्रेस ने लगाए धमकाने के आरोप

बंगाल ■ एजेंसी

बंगाल विधानसभा चुनाव में हिंसा रोकने के उद्देश्य से कई तेज-तर्रार और विशेष अधिकारियों को पश्चिम बंगाल में तैनात किया गया है। ऐसे में उत्तर प्रदेश के धाकड़ अधिकारी और एनकाउंटर स्पेशलिस्ट अजय पाल शर्मा की नियुक्ति भी बंगाल चुनाव के दौरान की गई है। 29 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान से पहले यूपी के धाकड़ आईपीएस ऑफिसर अजय पाल शर्मा का एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वो तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान को चेतावनी दे रहे हैं।

पश्चिम बंगाल चुनाव में पुलिस ऑब्ज़र्वर आईपीएस अजय पाल शर्मा विवादों में घिर गए हैं। डायमंड हार्बर में टीएमसी उम्मीदवार के परिजनों को धमकी देने का उनका एक वीडियो वायरल हुआ है। उत्तर प्रदेश के आईपीएस अधिकारी और पश्चिम बंगाल चुनाव में डायमंड हार्बर पुलिस जिले में पुलिस ऑब्जर्वर अजय पाल शर्मा अपने बयान और भूमिका की वजह से विवादों में घिर गये हैं।

तुर्किए से भारत लाया गया कुख्यात ड्रग सरगना सलीम डोला

नईदिल्ली। भारत का मोस्ट वाण्टेड आतंकवादी दाऊद इब्राहिम का करीबी और ड्रग्स सरगना सलीम डोला तुर्किए से भारत डिपोर्ट कर दिया गया है। उसे दिल्ली लाया गया है जहां खुफिया एजेंसियां पूछताछ के बाद में मुंबई पुलिस को सौंप देंगीं। जानकारी के अनुसार सलीम डोला तुर्किए के इस्तांबुल में हिरासत में लिया गया था। डोला को एक खास विमान से भारत लाया गया। डोला को तुर्किए की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी एमआईटी और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त कार्रवाई में हिरासत में लिया गया था। यह कार्रवाई इंटरपोल के 'रेड कॉर्नर नोटिस' के बाद की गई थी। डोला ड्रग्स के एक बड़े मामले में मुख्य आरोपी है और मुंबई की क्राइम ब्रांच इसकी जांच कर रही है।

5 शादी और 25 बच्चे पैदा करना गलत: शर्मा

रामेश्वर शर्मा ने यूसीसी के लिये सीएम डॉ. मोहन यादव का माना आभार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

यूसीसी लागू करने के लिये सरकार द्वारा बनाई गई हाईपावर कमेटी को लेकर बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने सीएम डॉ मोहन यादव का आभार व्यक्त किया है। विधायक शर्मा ने कहा कि यूसीसी की इस पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त करते हैं उन्होंने आगे कहा कि हिंदुस्तान की मांग और डिमांड है कि एक जैसा कानून हो। वन नेशन वन इलेक्शन करने को हम तैयार हैं। एक वर्ग 5 शादी 25 बच्चे पैदा कर रहे हैं तो यह गलत है। पूर्व पीएम स्व इंदिरा गांधी ने भी बच्चे दो ही अच्छे का नारा दिया था, उन्होंने पकड़ पकड़ कर नसबंदी कराई थी। सभी वर्ग को शिक्षा, स्वास्थ्य समेत अन्य सुविधाएं समान रूप से मिले इसलिए यूसीसी जरूरी है। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि आरिफ मसूद भी कान खोलकर सुन लें तुम तो पढ़े लिखे हो, सब जानते हो, बम बनाना भी जानते हो, आदिवासियों से अपनी तुलना न करें।

अगर इसी तरह आबादी बढ़ती रही तो कब्रिस्तान में जगह भी नही बनेगी। यूसीसी मुसलमानों के खिलाफ नही है।

प्रदेश में गर्मी की घातक मार, पारा पहुंचा 46 पार

भोपाल ■ जगत शर्मा

पिछले दस दिनों से लेकर आज 28 अप्रैल तक का अगर तापमान की बढ़ोतरी का विश्लेषण करें तो प्रतिदिन तापमान और गर्मी के बढ़ने से आम जनता का जीना मुश्किल हो गया है। वहीं दूसरी तरफ हार्ट अटैक के साथ साथ हीट स्ट्रोक डीहाइड्रेशन जैसी बीमारियों के ख़तरे अत्यधिक बढ़ गए हैं। बुजुर्ग और बच्चों पर तो सबसे अधिक प्रभाव पड़ सकता है। वहीं गर्मी के तेवर में अभी कोई राहत भरा परिवर्तन देखने को नहीं मिल रहा है।

वहीं अगर विशेष रूप से मध्य प्रदेश की बात की जाए तो यहां गर्मी के तेवर बेहद तीखे बने हुए हैं। प्रदेश के अधिकांश हिस्से भीषण लू की चपेट में हैं, और लगभग हर एक ज़िले का तापमान 45एष्ट के करीब पहुँच गया है। जिसके कारण आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो रहा है।

तापमान की स्थिति उच्चतम तापमान: प्रदेश में सबसे गर्म शहर खजुराहो बना हुआ है, खजुराहो में पारा 46एष्ट के पार पहुँच गया है, जो इस सीजन का सबसे गर्म स्तर है। तथा इस बार अप्रैल माह की गर्मी में ही पिछले दस साल का रिकार्ड भी टूट गया है।

मध्य प्रदेश के दूसरे गर्म शहर: खजुराहो के अलावा मध्य प्रदेश के दूसरे हिस्सों में भी भीषण गर्मी का प्रकोप छाया हुआ है। ग्वालियर, भोपाल, इंदौर और जबलपुर जैसे प्रमुख शहरों में तापमान 43एष्ट से 44एष्ट के बीच बना हुआ है। वहीं दतिया निवाड़ी नौगांव छतरपुर जैसे शहरों में तापमान की सुई 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रही है। जहां तक नर्मदापुरम और रतलाम जैसे जिलों की बात है तो यहाँ भी गर्मी का प्रकोप चरम पर है, जहाँ पारा 42एष्ट-43एष्ट के आसपास दर्ज किया जा रहा है।

गर्मी से राहत की न्यूनतम संभावना : फिलहाल अगले कुछ दिनों तक गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम नजर आ रही है। आज शाम से प्रदेश के कुछ हिस्सों में बादलों की आवाजाही और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है। जिससे थोड़ी बहुत राहत मिलेगी।

मौसम में आगामी बदलाव: राजस्थान और उत्तर प्रदेश की ओर से आ रही ठंडी हवाओं के कारण अगले 24-48 घंटों में तापमान में 3-5एष्ट की गिरावट आने के आसार हैं।

हीटवेव (लू) का अलर्ट

मौसम विभाग ने ग्वालियर, उज्जैन और सागर संभाग सहित 24 से अधिक जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है, तथा सावधानियां बरतने की अपील की है।

प्रदेश में भीषण गर्मी कारण: मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-मध्य मध्य प्रदेश के ऊपर सक्रिय प्रतिचक्रवात के कारण आसमान साफ है और सूरज की किरणें सीधे धरातल को तपा रही हैं। जिसके कारण ही तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है।

दिन के साथ साथ रातें भी गर्म : पिछले दस दिनों में दिन के ही नहीं बल्कि रात के तापमान में भी बढ़ोतरी हुई है, जिससे न्यूनतम पारा 28एष्ट के आसपास बना हुआ है और रात में भी राहत नहीं मिल रही है।

सावधानी और उपाय

दोपहर में बचाव: दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचें।

हाइड्रेशन: पर्याप्त पानी पिएं और साथ में ओआरएस या नींबू पानी का उपयोग करें।

कपड़े: हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें और धूप में निकलते समय सिर को ढंककर रखें।

बंगाल में चुनावी हलचल के बीच ईडी का बड़ा एक्शन

28 लाख नकद और सोना जब्त

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल में दो अलग-अलग मामलों में छापेमारी कर लगभग 28 लाख रुपये नकद और सोने के आभूषण जब्त किए हैं। यह कार्रवाई कथित अपराध सिंडिकेट और सार्वजनिक वितरण प्रणाली घोटाले से जुड़े मामलों में की गई। ईडी ने बिस्वजीत पोद्दार उर्फ सोना पप्पू से जुड़े नेटवर्क पर कार्रवाई करते हुए कल्याण शुक्ला और संजय कनोडिया के ठिकानों पर छापे मारे, जहां से करीब 10 लाख रुपये नकद, सोना और डिजिटल उपकरण मिले।

बारिश से पहले काम पूरा करने के निर्देश

बायपास पर अधूरे फ्लायओवर और अंडरपास से बढ़ रहे हादसे

इंदौर ▪ निसं

अर्जुन बड़ौद, झलारिया, एमआर-10 और रालामंडल में बन रहे फ्लायओवर में लगातार लेटलतीफी हो रही है। इसकी वजह से न सिर्फ ट्रैफिक जाम हो रहा है बल्कि हादसे भी बढ़ते जा रहे हैं। इन सभी वजह से जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने अपने निज निवास कार्यालय पर एनएचएआई द्वारा संचालित विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस बैठक में मुख्य रूप से फ्लायओवर और अंडरपास के कार्यों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गई। मंत्री ने निर्माण कार्यों की धीमी गति और बायपास पर लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम को लेकर सख्त रुख अपनाया।

समीक्षा के दौरान मंत्री सिलावट ने बायपास पर लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अधूरे निर्माण कार्यों और सर्विस रोड की खराब स्थिति के कारण वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों और सर्विस रोड के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर तुरंत ठीक किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लाइटिंग की व्यवस्था न होने और सर्विस रोड अधूरी रहने से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसका निराकरण तत्काल अनिवार्य है।

बैठक में बताया गया कि अर्जुन बड़ौद में 1 किलोमीटर लंबी 6 लेन सड़क और 60 मीटर चौड़े अंडरपास का निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में यहां डामरीकरण का कार्य प्रगति पर है। मंत्री ने निर्देश दिए कि रोड मार्किंग और लाइटिंग का काम जल्द पूरा कर इसे टेस्टिंग के लिए शुरू किया जाए। इसी प्रकार झलारिया और एमआर-10 पर निर्माणाधीन अंडरपास के कार्यों को बारिश का मौसम शुरू होने से पहले अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

इन सभी महत्वपूर्ण परियोजनाओं का निर्माण कार्य अतिशीघ्र पूर्ण होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा इनका औपचारिक लोकार्पण कराया जाएगा। इस समीक्षा बैठक के दौरान एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रवीण यादव, अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव और मंडल अध्यक्ष रवि वाजपेई मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बारिश से पहले नालों की सफाई के निर्देश दिए

सुबह से सड़कों पर एक्शन में दिखे निगम कमिश्नर

इंदौर ▪ निसं

इंदौर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और आगामी मानसून के दौरान जलभराव की संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए नगर निगम प्रशासन ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में सोमवार को नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने शहर की मास्टर प्लान वाली प्रमुख सड़कों और विभिन्न विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मैदानी स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नालों की सफाई और सड़क निर्माण को लेकर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए।

अधिकारियों से कहा समयसीमा में काम पूरे करें

निगम कमिश्नर ने निरीक्षण के दौरान कलाल कुई रोड, चंद्रभागा पुल से हरसिद्धि होते हुए मच्छी बाजार रोड और गुटकेश्वर महादेव मंदिर से सदर बाजार रोड तक का दौरा किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को हिदायत दी कि मास्टर प्लान की सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए ताकि आम जनता को जल्द से जल्द बेहतर ट्रैफिक सुविधा मिल सके। उन्होंने विशेष तौर पर कलाल कुई मस्जिद रोड के निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा।

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने विभिन्न क्षेत्रों सहित पीलिया खाल नाले की वर्तमान स्थिति को भी देखा। मानसून के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए उन्होंने जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने और नालों की सफाई को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने चंद्रभागा पुल से हरसिद्धि मार्ग के शेष निर्माण कार्यों को भी शीघ्र समाप्त करने पर जोर दिया ताकि इस महत्वपूर्ण मार्ग पर यातायात का संचालन सुचारू रूप से हो सके और राहगीरों को आवागमन में किसी बाधा का सामना न करना पड़े।

यातायात के दबाव को कम करने के लिए कहा

गुटकेश्वर से सदर बाजार रोड के मध्य स्थित पुलिया के चौड़ीकरण कार्य की समीक्षा करते हुए निगम कमिश्नर ने इसे जल्द पूरा करने की बात कही। उनका मानना है कि इन प्रमुख परियोजनाओं के पूर्ण होने से संबंधित क्षेत्रों में ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम हो जाएगा और वाहन चालकों के लिए आवाजाही सुगम होगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने मेघदूत गार्डन स्थित ट्रंप कंपोज्ड प्लांट और ट्रीटेड पानी हाइड्रेन का भी अवलोकन किया। इस दौरान उनके साथ अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, सहायक यंत्री नरेश जायसवाल और पराग अग्रवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बेमौसम बारिश से मिली राहत, फिर लौटी तेज गर्मी

इंदौर ▪ निसं

इंदौर में रविवार रात हुई बेमौसम बारिश ने शहरवासियों को गर्मी से थोड़ी राहत दी। रात का तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा था और शनिवार रात के 28.2 डिग्री से तीन डिग्री कम था। शनिवार रात का तापमान सामान्य से पांच डिग्री अधिक 28.2 डिग्री सेल्सियस था।

रविवार को दिन में सूरज ने आग उगली, और पारा 43 डिग्री तक पहुंच गया, जो आमतौर पर मई में ही देखा जाता है। शाम के समय अचानक काले बादलों ने शहर को ढक लिया और तेज हवाएं चलने लगीं। शहर के कई इलाकों में बारिश हुई और मौसम सुहाना हो गया। तेज हवाओं की गति 30 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक रही।

बारिश ने वैवाहिक आयोजनों में थोड़ी अव्यवस्था तो पैदा की, लेकिन अधिकांश आयोजन प्रभावित नहीं हुए,क्योंकि रात को बारिश नहीं हुई। सोमवार सुबह से फिर गर्मी के तेवर लौट आए। सुबह साढ़े आठ बजे पारा 31.6 डिग्री तक पहुँच गया। घरों में पंखे और कूलर लगातार चल रहे हैं और लोग दिन के समय घरों से निकलने में बच रहे हैं।

गर्मी के बढ़ते असर को देखते हुए प्रशासन ने 30 अप्रैल तक पहली से आठवीं कक्षा तक के बच्चों की छुट्टी कर दी है।रविवार की रात की बारिश ने गर्मी को कुछ समय के लिए थाम लिया, लेकिन मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में तापमान फिर से बढ़ने की संभावना है।

पक्षियों हेतू दाना-पानी अभियान

उत्कर्ष, भावेश, लक्ष्य, सार्थक, आयुष, प्रिंश, वैभव लक्ष्मी नगर, इंदौर

सभी 85 वार्डों में बनेंगे हाईड्रेंट

निजी टैंकरों के पानी की भी होगी जांच

इंदौर ▪ निसं

नगर निगम का दावा है कि सभी वार्डों में टैंकरों को भरने के लिए हाईडेंट बनाए जाएंगे। साथ ही पानी की टंकियों पर कैमरे लगाने के साथ टैंकरों के पानी की जांच भी कराई जाएगी। भागीरथपुरा कांड के बाद निगम गंदे और दूषित पानी की समस्या को दूर करने के दावे लगातार करता रहा है। हालांकि अभी भी नागरिकों की शिकायतें जारी है, तो दूसरी तरफ एसटीपी प्लांटों से जो ट्रीटेड वॉटर हासिल हो रहा है उसे निगम ने झोनल कार्यालयों के माध्यम से उपलब्ध कराया है, ताकि निर्माण कार्यों, सर्विस सेंटरों और उद्यानों में इस पानी का इस्तेमाल किया जा सके।

भीषण गर्मी के साथ जलसंकट की स्थिति शहर में बढ़ती जा रही है, तो नगर निगम का कहना है कि साढ़े 400 एमएलडी नर्मदा का पानी बंटवाया जा रहा है, तो उसके साथ बोरिंगों से भी पानी मिल रहा है। वहीं टैंकरों को भरवाने के लिए हाईडेंट की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। निगम के जल समिति प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू के मुताबिक, लगातार महापौर सहित सभी परिषद् सदस्यों की बैठक ली जा रही है और यह भी तय किया है कि प्रत्येक वार्ड में कम से कम एक हाईडेंट की व्यवस्था हो, जिससे टैंकरों को भरने में आसानी रहे। वहीं पानी की टंकियों पर सुरक्षा के मद्देनजर यह भी तय किया जा रहा है कि सभी पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं, ताकि टंकियों पर भी निगाह रखी जा सके। दरअसल, कई जगह टंकियों में जानवरों के मरने से लेकर समय पर साफ-सफाई ना होने या अभी संभव है कि कोई मिलावट कर दी जाए, जैसी आशंका भागीरथपुरा के मामले में व्यक्त की जाती रही, लिहाजा अब सभी टंकियों को भी सर्विलेंस के दायरे में लिया जाएगा। श्री शर्मा के मुताबिक, पानी के नमूनों की जांच भी लगातार कराई जा रही है। बोरिंगों, तालाबों से लेकर जहां से भी शिकायत आती है वहां के पानी की जांच कराई जा रही है। अभी चूंकि सभी जगह बोरिंग भी सूख रहे हैं और टैंकरों की मांग बढ़ रही है, जिसके चलते टैंकरों की संख्या बढ़ाने के साथ निजी टैंकर संचालकों की सूची भी तैयार की जा रही है और उनके पानी की भी जांच की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ आयुक्त क्षितिज सिंघल ने भी निर्देश दिए हैं कि निर्माण कार्यों, सर्विस सेंटरों, उद्यानों में ट्रीटेड पानी का ही उपयोग किया जा सकेगा और कोई भी निजी व्यक्ति या संस्था निर्धारित शुल्क जमा कराकर सुविधा ले सकता है। इसके लिए 35 हाईडेंट भी स्थापित कर दिए हैं।

विवाद के बाद महिला एसीपी के पति लापता, सरकारी गाड़ी लेकर निकले

इंदौर ▪ निसं

इंदौर के आजाद नगर क्षेत्र में रविवार रात पारिवारिक विवाद के बाद एक महिला एसीपी के पति लापता हो गए हैं। वे रात में सरकारी जीप लेकर घर से निकल गए। जब महिला अधिकारी को चिंता हुई तो उन्होंने आजाद नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस सक्रिय हो गई। अफसरों ने उनकी लोकेशन ट्रेस की है। राजस्थान के एक ग्रामीण इलाके में लोकेशन मिलने के बाद वहां की पुलिस की मदद ली जा रही है। महिला एसीपी का बंगला पीटीसी इलाके में है। रविवार रात उनके और उनके पति के बीच कहासुनी हो गई थी। इसके बाद पति कहीं चले गए। देर तक घर नहीं लौटने पर पत्नी को चिंता हुई और मामला पुलिस तक पहुंचा। नाराज पति घर से निकलते समय चाबी लेकर सरकारी जीप से चले गए।

केन्द्रीय जेल में लोक अदालत, बंदियों के प्रकरणों का तुरंत निराकरण

इंदौर ▪ निसं

केन्द्रीय जेल में राष्टीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें जेल में बंद बंदियों के लंबित लघु आपराधिक प्रकरणों का आपसी सुलह समझौते के आधार पर तुरंत निराकरण किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में 13वें अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अयाज मोहम्मद, वरिष्ठ खंड व्यवहार न्यायाधीश मुकेश गुप्ता एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव शिवराज गवली मौजूद रहे। लोक अदालत के दौरान कई प्रकरणों का मौके पर ही निपटारा कर पात्र बंदियों को राहत दी गई।

इस दौरान न्यायाधीश अयाज मोहम्मद ने कहा कि लोक अदालत न्याय का सरल, सुलभ और त्वरित माध्यम है, जिससे न्यायालयों का भार कम होता है और पक्षकारों को शीघ्र व सम्मानजनक न्याय मिलता है।

चंदननगर से कालानी नगर के बाधकों को लेकर अंतिम नोटिस बंटना शुरू

इंदौर ▪ निसं

चंदननगर से कालानी नगर तक की सडक़ को लेकर कई दिनों से चल रही सुनवाई पूरी होने के बाद अब नगर निगम ने पूरे क्षेत्र में अंतिम नोटिस बांटना शुरू कर दिए हैं। इस नोटिस के तहत बाधक निर्माण 15 दिनों में हटाने की मोहलत दी जाती है और उसके बाद निगम का अमला क्षेत्र में कार्रवाई करने पहुंचता है। नगर निगम द्वारा चंदननगर से कालानी नगर तक सडक़ बनाए जाने को लेकर पिछले दिनों नपती और निशान लगाने की कार्रवाई की गई थी। उसके बाद वहां के रहवासियों ने सडक़ की चौड़ाई को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। इसके बाद नगर निगम ने रहवासियों का पक्ष सुनने के लिए तमाम दस्तावेज को लेकर उन्हें झोनलों पर बुलवाकर सुनवाई शुरू की थी।

इसके बाद से वहां लगातार कई दिनों तक सुनवाई चलती रही, जो अब पूरी हो गई है। नगर निगम के अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर के मुताबिक चंदननगर की सडक़ के मामले को लेकर चल रही सुनवाई पूरी हो गई है और अब अंतिम नोटिस बांटने का काम चल रहा है। अंतिम नोटिस के तहत करीब दो सौ से ज्यादा रहवासियों को 15 दिनों में अपने मकान, दुकान के बाधक हिस्से हटाने को कहा गया है। उक्त समयावधि के बाद निगम द्वारा अपने स्तर पर बाधक निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

बेंगलुरु से इंदौर आए विमान को डायवर्ट कर अहमदाबाद भेजा

इंदौर ▪ निसं

इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर विमानतल पर कल शाम बेंगलुरु से आया एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान उतर नहीं पाया। इसके बाद उसे डायवर्ट कर अहमदाबाद भेजा गया। इसका कारण विमान में ईंधन की कमी बताया गया है। फ्लाइट के डायवर्ट होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

विमानतल से मिली जानकारी के मुताबिक एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट (आईएक्स-2014) बेंगलुरु से शाम 4.35 बजे इंदौर आती है। कल यह फ्लाइट शाम करीब 5 बजे इंदौर पहुंची। विमान में 163 यात्री सवार थे। पायलट ने विमान को लैंड करने का प्रयास किया, लेकिन खराब मौसम के चलते पहले प्रयास में विमान उतर नहीं पाया। इसके चलते पायलट ने विमान को दोबारा ऊपर उड़ा लिया। कुछ देर हवा में चक्कर लगाने के बाद रनवे पर दूसरे विमानों की आवाजाही में इस विमान को कुछ और समय तक रुकने के संकेत दिए। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान विमान में ईंधन कम होता देख और प्रतीक्षा का समय ज्यादा होने के चलते पायलट ने विमान को डायवर्ट कर अहमदाबाद ले जाने का फैसला लिया। शाम 5.17 बजे विमान को डायवर्ट कर अहमदाबाद ले जाया गया। विमान के अहमदाबाद जाने के बाद पायलट ने इसमें रिफ्यूलिंग कराई। इधर, इंदौर में मौसम साफ होने और रनवे खाली होने का संकेत मिलने के बाद यह फ्लाइट अहमदाबाद से शाम करीब 7.30 बजे रवाना होकर 8.30 बजे इंदौर पहुंची।

मोबाइल पर मिलेगा डिजिटल नक्शा

इंदौर में भूमि रिकॉर्ड और सीमाओं का हाईटेक बदलाव

इंदौर ▪ निसं

राजस्व रिकॉर्ड के साथ प्रदेश की अंतरराज्यीय सीमाओं का भी डिजिटलीकरण किया जा रहा है, ताकि विवाद तकनीकी आधार पर सुलझ सकें। इंदौर सहित प्रदेश का समूचा भूमि प्रबंधन अब ऑनलाइन उपलब्ध होगा और मोबाइल पर ही डिजिटल नक्शा भी प्राप्त हो जाएगा। भूमि अभिलेखों को आधार नम्बर से जोडऩे की कवायद भी की जा रही है और सभी राजस्व न्यायालयों को भी डिजिटल प्लेटफॉर्म से लिंक कर दिया जाएगा। अभी हालांकि पोर्टल के माध्यम से खसरा-खतौनी के रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध हो रहे हैं। दूसरी तरफ 15 करोड़ से अधिक भू-अभिलेख को डिजिटल भी किया जा रहा है और डेढ़ करोड़ से अधिक दस्तावेजों की स्कैनिंग भी हो चुकी है। इंदौर नगर निगम से लेकर प्राधिकरण सहित कलेक्टर कार्यालय में भी अपनी सम्पत्तियों, जमीनों के रिकॉर्ड की स्कैनिंग करने के साथ उनके डिजिटल नक्शे तैयार किए जा रहे हैं, ताकि रिकॉर्ड गायब होने अथवा जलने से लेकर अन्य गड़बडिय़ां रुकें

और जमीनी धोखाधड़ी में भी कमी आ सके। इन दिनों सम्पदा-2.0 पोर्टल के माध्यम से अचल सम्पत्तियों के दस्तावेजों का पंजीयन और रजिस्ट्री हो रही है, जिसके चलते रजिस्ट्री करवाते ही तुरंत उसकी पीडीएफ कॉपी व्हाट्सऐप और ई-मेल के जरिए मिल जाती है और ऑनलाइन यह रिकॉर्ड पंजीयन विभाग के पास दर्ज हो जाता है। अभी चरणबद्ध तरीके से पंजीयन विभाग भी रजिस्ट्रियों को डिजिटल कर रहा है और अभी 2000 से लेकर 2015 तक की रजिस्ट्रियां ऑनलाइन डाउनलोड करने की सुविधा दी गई है, तो पुरानी रजिस्ट्रियों को भी स्कैन किया जा रहा है। लगभग 50 लाख से अधिक मैन्युअल रजिस्ट्रियों के दस्तावेजों को डिजिटल कर ऑनलाइन उपलब्ध करा दिया जाएगा, ताकि एक ही जमीन की फर्जीवाड़े से रजिस्ट्रियां, धोखाधड़ी सहित अन्य गड़बडिय़ां भी रुक सकेंगी। राजस्व विभाग का कहना है कि भूमि रिकॉर्ड का पूरा लेखा-जोखा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने का लगभग 98 फीसदी काम पूरा हो चुका है, जिसके चलते जनता को अपनी जमीन से जुड़ी जानकारी रियल टाइम ऑनलाइन उपलब्ध हो सकेगी। सीमांकन के कारण भी विवाद लम्बित रहते हैं, जो अब डिजिटल मैप तैयार होने के चलते आसानी से सुलझाए जा सकेंगे। हालांकि यह योजना केंद्र सरकार के डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत ही शुरू की गई और इसमें कुछ समय लगा, जिसके चलते इसकी अवधि बढ़ाकर 2026 तक करना पड़ी।

आपके द्वारा इस गर्मियों में पंछियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की गई हो और सकोरे भी लगाए गए है जिसमें में प्रति दिन स्वच्छ पानी व दाने को रखता है जिससे पंछी आकर ग्रहण करते है। आप भी फोटो भेजकर इस मुहिम का हिस्सा बन सकते हैं।

प्रवीण साहू, 8815555243

वैराग्य की राह पर अग्रसर संजय भैया बने मुनि सामायिक सागर

परतापुर में ऐतिहासिक दीक्षा महोत्सव में 37 वर्ष पूर्व की पुनरावृत्ति

परतापुर (बांसवाड़ा) राजस्थान। (नरेंद्र अजमेरा एवं पियुष कासलीवाल) धर्म नगरी में दिगंबर जैन परंपरा का एक ऐतिहासिक क्षण उस समय साकार हुआ जब वैराग्य भाव से ओतप्रोत संजय भैया ने गृहस्थ जीवन का त्याग कर संयम मार्ग को स्वीकार किया।

भारत गौरव, साधना महोदधि, उत्कृष्ट सिंहनिष्क्रिडित व्रतकर्ता, तपाचार्य अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज एवं चतुर्विध संघ के पावन सानिध्य में भव्य जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव का दिव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन अत्यंत श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ।

दीक्षा महोत्सव में बीस हजार से अधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति के बीच संजय भैया को दिगम्बर जैन साधु परंपरा में दीक्षित कर मुनि सामायिक सागर महाराज के रूप में नया आध्यात्मिक जीवन प्रदान किया गया। दीक्षा समारोह से पूर्व भैया ने जिनेन्द्र देव की शांतिधारा की और उनकी आज्ञा लेकर संजय भैया एवं अन्य दीक्षार्थी शोभायात्रा के रूप में नगर के सुभाषचन्द्र बोस स्टेडियम में पहुंचे, पांडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं ने सफेद सरसों एवं अक्षत से उनका स्वागत कर मंच पर पहुंचाया। प्रारंभ में दीक्षार्थी संजय भैया की पत्नी सहित परिवारजनों ने चौक पुराई कर आसन बनाया, जिस पर बैठकर दीक्षार्थियों ने संयम मार्ग की ओर प्रथम कदम बढ़ाया। दीक्षा समारोह में बताया गया कि 1989 में परतापुर की पावन भूमि पर आचार्य श्री पुष्पदंत सागर महाराज ने पांच दीक्षाएं प्रदान की थीं, जिनमें एक दीक्षार्थी आगे चलकर आचार्य प्रसन्न सागर महाराज बने। अब 2026 में पुनः वही इतिहास दोहराया गया, जब इसी भूमि पर फिर से पांच दीक्षा संस्कार संपन्न हुए।

दीक्षा संस्कार की पावन बेला में आचार्य ने पंच मुष्ठी केशलोच करा कर दीक्षा संस्कार प्रारंभ किए तथा सभी के मस्तक पर स्वास्तिक चिन्ह बना कर वैराग्य की यात्रा प्रारंभ की। इस अवसर पर संचालन कर रहे बाल ब्रह्मचारी विज्ञानाचार्य तरुण भैया ने कहा कि कन्यादान तो हमेशा सुना है पर आज इस धरा पर गुरु के चरणों में पतिदान करके मैनादेवी ने अपनी नारी पर्याय को धन्य कर दिया। परतापुर का सौभाग्य ऐसा है कि गुरु और शिष्य दोनों की दीक्षा भूमि यही है। संजय भैया की जन्म, कर्म और दीक्षा भूमि बन गई, वहीं आचार्य प्रसन्न सागर महाराज जी की पवित्र दीक्षा भूमि भी यही है। आचार्यश्री ने दीक्षा महोत्सव पर कहा कि पांच पापों का त्याग कर जैनेश्वरी दीक्षा प्राप्त होती है। दिगम्बर धर्म में तप को ज्यादा महत्व दिया, तप के बिना स्वर्ण भी नहीं निखरता है, तपने वाला ही मोक्षगामी बन जाता है। 37 वर्षों पूर्व इसी भूमि पर दीक्षार्थी के माता-पिता शीला देवी और तेजपाल पंचोरी को सौभाग्य मिला था। आज उसी गुरू से एक दिन पहले श्रीफल भेंट कर दीक्षा देने की भावना शीला देवी ने रखी और गुरु ने आशीर्वाद दिया और दीक्षा देना प्रारंभ किया। विशेष क्षण वह था, जब जिस मां ने पहले केशलोंच प्राप्त किया था, आज उसी का धर्म पुत्र मां का केशलोच कर दीक्षा दे रहा था। यह दृश्य देखकर उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। दीक्षा से पूर्व संजय भैया ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि वे 38 वर्षों से समाज सेवा और धर्मकार्य में लगे रहे। जीवन में आचार्य विद्यासागर जैसे महान आचार्यों सा मेरा चरित्र हो, आचार्य कनकनंदी जैसी त्याग समता हो, आचार्य सुन्दर महाराज जैसा मेरा वात्सल्य हो, आचार्य श्री सन्मति एवं आचार्य प्रसन्न सागर जी जैसी मेरी साधना, तप हो, आज्ञा सागर जैसी मेरी सरलता हो और आर्यिका मां विज्ञानमति माताजी जैसी चर्या हो मेरी। क्षमा को आदर्श मानकर साधना करने की भावना व्यक्त की। इस अवसर पर आचार्य श्री ने ज्ञानप्रभा माताजी को गणिनी पद से सुशोभित किया, जो संघ की सभी आर्यिकाओं का संचालन करेंगी। दीक्षा संस्कार के दौरान आचार्य श्री प्रसन्न सागर महाराज ने आचार्य कुंदकुंद आम्नाय परंपरा के अनुसार नामकरण संस्कार कर संजय भैया को मुनि सामायिक सागर महाराज के नाम से संबोधित किया तो हजारों श्रद्धालुओं ने दोनों हाथ जोड़कर पहला नमोस्तु करते हुए इनके उत्कृष्ट साधना की कामना की। दीक्षार्थियों के लिए पिच्छिका तथा कमंडल और शास्त्र परिवारजनों ने आचार्य श्री को भेंट किए। इसके बाद आचार्य श्री ने मुनि सामायिक सागर महाराज सहित पांचों दीक्षार्थी को पिच्छिका व कमंडल व शास्त्र प्रदान कर संयम जीवन का प्रारंभ कराया। दीक्षा महोत्सव में भोजन प्रभावना के दातार मैयावत परिवार का सम्मान किया। इस कार्यक्रम में देश विदेश एवं कई राज्यों से आए श्रद्धालु मौजूद रहे।

दीक्षार्थी एवं क्षुल्लिका को दीक्षा प्रदान करते आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

दीक्षा के बाद नए नामकरण : संजय भैया- मुनि सामायिक सागर महाराज, क्षुल्लक अर्ध सागर- मुनि अर्ध सागर महाराज, क्षुल्लिका धर्म प्रभा माताजी- आर्यिका धर्म प्रभा माताजी, कनक दीदी- क्षुल्लिका द्रव्य प्रभा माताजी, सुशीला पंचोरी- क्षुल्लिका भाव प्रभा माताजी।

एक विलक्षण क्षण जो सिर्फ जैन धर्म में देखने मिला...

'37 वर्ष पूर्व जिनसे धर्म-पुत्र का पावन संबंध बना था, दीक्षा के माता बनने का गौरव मिला था..(श्रीमती सुशीला पंचोली) आज उसी धर्म-पुत्र (अंतर्मना) के आशीर्वाद से क्षुल्लिका दीक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला... यह एक विलक्षण और अत्यंत भावुक कर देने वाला संयोग बना... समय ने 37 साल बाद वही रिश्ता पूरा किया... धर्म-पुत्र से मिली क्षुल्लिका दीक्षा

संक्षिप्त समाचार

किन्नर ने लगाया गोली चलाने का आरोप, पुलिस मान रही संदिग्ध

भोपाल। राजधानी के गोविंदपुरा थाना इलाके में किन्नरों के बीच चल रहे वर्चस्व के विवाद को लेकर गोली चलाकर जानलेवा हमला करने का आरोप लगा है। हालांकि पुलिस पूरे मामले को संदिग्ध मानकर मामले की जांच कर रही है। थाना पुलिस के अनुसार किन्नर सिमी (38) ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया है की वह बुधवारा गुट की तरफ से किन्नर हैं। बीते दिन वो सुभाष नगर होते हुए गौतम नगर ऑटो से जा रही थी। उसी दौरान बाइक सवार तीन नकाबपोश युवक आए और उसके जांघ के पास पिस्टल टिकाकर जान से मारने की धमकी दी। आरोप है की इस दौरान बाइक सवारो ने फायर भी किया। शिकायत मिलने पर एफएसएल और पुलिस टीम ने मौके पर पहुचंकर छानबीन की लेकिन फिलहाल पुलिस को गोली चलने से संबंधित कोई सुराग नहीं मिला हैं। जांच में सामने आया है कि इस मामले में शिकायत तलैया, कोहेफिजा के अलावा ऐशबाग थाने में भी दर्ज करने का प्रयास किया जा चुका है। पुलिस को सिम्मी के साथ अन्य किन्नर से रंजिश होने की जानकारी मिली है, जिसके आधार पर आगे की पड़ताल की जा रही है।

मिस्त्री ने ट्रेन से कटकर की आत्महत्या

भोपाल। बाग सेवनियां थाना इलाके में स्थित विद्या नगर के पीछे रेलवे ट्रेक पर एक मिस्त्री ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। बताया गया है की हादसे से करीब पांच घंटे पहले पत्नि से किसी बात पर विवाद होने के कारण वह गुस्से में बिना बताए घर से निकल गया था। बाद में उनकी तलाश कर रहे बेटे ने पिता का शव पटरी पर पड़ा देखा था। पुलिस के मुताबिक बारह नंबर मल्टी शाहपुरा निवासी अमर सिंह (50) मिस्त्री का काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। बड़े बेटे की उम्र करीब 18 साल है। पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह अमर सिंह का पत्नी से किसी बात को लेकरविवाद हुआ था। झगड़े के बाद सुबह करीब 11 बजे वह घर से निकल गए थे। बाद में वह विद्या नगर के पीछे पहुंचे और चलती ट्रेन के सामने छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से मृतक का मोबाइल भी मिला है। मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौपतें हुए पुलिस आगे की जॉच कर रही है।

पोषण आहार प्लांट बंद महिलाएं मजदूरी करने को मजबूर

1200 करोड़ की टेक होम राशन योजना पर मंडराया आर्थिक संकट

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मप्र में 1200 करोड़ रूपए की टेक होम राशन व्यवस्था पर आर्थिक संकट मंडरा रहा है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य ने सरकार ने प्रदेश में पोषण आहार प्लांट चलाने की जिम्मेदारी महिलाओं का दी थी। लेकिन निरंतर घाटे के कारण पोषण आहार प्लांट पर आर्थिक संकट इस कदर मंडराया है कि ये करीब तीन महीने से बंद पड़े हैं। सरकार का कहना है कि समूहों द्वारा संचालित सातों प्लांट सालाना 40-50 करोड़ रुपए का नुकसान उठा रहे हैं और पिछले 4 वर्षों में कुल घाटा 300 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि मौजूदा प्लांट समय पर सप्लाई नहीं कर पा रहे हैं, जिससे हितग्राहियों तक राशन पहुंचने में दो-दो महीने की देरी हो रही है। इसका असर सह हुआ है कि इसमें काम करने वाल महिलाएं अब मजबूरी करने को मजबूर हैं।

गौरतलब है कि मंडला, सागर, नर्मदापुरम, देवास, धार, रीवा और शिवपुरी में 141 करोड़ रुपए की लागत से 7 प्लांट स्थापित किए थे। अब सवाल उठ रहा है कि इन प्लांटों में काम कर रही लगभग 5 लाख महिलाओं की आजीविका का क्या होगा क्या लखपति दीदी बनाने का वादा करने वाली सरकार उनसे रोजगार छीन लेगी इस पूरी प्रशासनिक खींचतान का सबसे दुखद पहलू यह है कि योजना अपने मूल उद्देश्य में ही विफल होती दिख रही है। सरकार पोषण आहार पर सालाना 1200 करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर रही है, लेकिन बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के बजाय गिरावट देखी जा रही है।

महंगाई के कारण बढ़ा घाटा: जानकारी के अनुसार, महंगाई बढने् के कारण पोषण आहार प्लांट का घाटा बढ़ा है। वर्ष 2018-19 में छोटे बच्चों के लिए दिए जाने वाले राशन का दाम 8 रुपए और महिलाओं व किशोरियों को दिए जाने वाले राशन के लिए 9.50 रुपए दाम तय किए थे। यानि यदि स्वसहायता 10 करोड़ का माल तैयार करते थे तो सरकार 8 करोड़ देती थी। इससे करीब 2 करोड़ रुपए का घाटा इसमें हो रहा था। यह लगातार बढ़ रहा है, क्योंकि सरकार ने रेट नहीं बढ़ाए।

हाल ही में 12 रुपए रेट किए हैं, लेकिन अभी यह मिलना शुरू नहीं हुआ। प्लांट बंद होने की बड़ी वजह यह है कि इन प्लांट पर जो सामग्री प्राइवेट सप्लायर भेज रहे थे, उन्होंने सप्लाई रोक दी है और कहा है कि पहले पुराना पैसा दो। जानकारी के अनुसार 7 प्लांट के ऊपर करीब 300 करोड़ रुपए की उधारी हो गई है। इस राशि का भुगतान करने के लिए मार्च महीने में कैबिनेट के लिए पंचायत विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया था, लेकिन वह कैबिनेट में जा नहीं सका। इसमें लिखा गया था कि सातों प्लांट को करीब 239 करोड़ रुपए की हानि हुई है, जो अब तक बढकर् 300 करोड़ हो गई। जानकारी के अनुसार देवास प्लांट में 55.68 करोड़, धार प्लांट में 50.70 करोड़ , नर्मदापुरम प्लांट में 23.25 करोड़ , रीवा प्लांट में 35.70 करोड़ , मंडला प्लांट में 46.17 करोड़ , सागर प्लांट में 49.48 करोड़ , शिवपुरी प्लांट में 40.30 करोड़ का घाटा हुआ है।

आर्थिक संकट से जूझ रही महिलाएं

प्रदेश में पोषण आहार प्लांट चलाने वाली वे महिलाएं, जिन्हें 9 साल पहले स्वामित्व दिया गया था, अब आर्थिक संकट के चलते मजदूरी करने को मजबूर हैं। सागर की अनिता चौकसे ने बताया कि उनका प्लांट तीन महीने से बंद है, क्योंकि सरकार से पर्याप्त राशि नहीं मिल रही और वेंडरों का भुगतान नहीं हो पा रहा। देवास की दुर्गा के अनुसार उनका प्लांट 24 दिन तक बंद रहा और अब मुश्किल से शुरू हुआ है। मंडला की मनीषा परस्ते ने भी एक महीने से प्लांट बंद होने की जानकारी दी। स्थिति से नाराज महिला स्व-सहायता समूहों ने रविवार को तीनों स्थानों पर प्रदर्शन किया। बताया जा रहा है कि घाटा पूरा करने के लिए 300 करोड़ रुपए की सहायता प्रस्तावित थी, लेकिन मामला कैबिनेट तक नहीं पहुंचने से मंजूरी अटक गई है।

राजधानी में एक बार फिर थम सकते हैं लो फ्लोर बसों के पहिए

वेतन विवाद के कारण बस ऑपरेटरों ने दी काम बंद करने की चेतावनी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी में एक बार फिर लो फ्लोर बसों के पहिए थम सकते हैं, जिसका कारण तीन प्रमुख ऑपरेटरों और ड्राइवर-कंडक्टर के बीच वेतन व पुराने बकाया को लेकर शुरू हुआ विवाद है। कर्मचारियों ने अगले महीने से काम बंद करने की चेतावनी दी है। कर्मचारियों की इस चेतावनी का हवाला देते हुए भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड के ऑपरेटरों ने संस्था से स्पष्ट कहा है कि अगले महीने से बसों का संचालन करना मुश्किल हो जाएगा।

कोई वैकल्पिक साधन उपलब्ध नहीं: भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड के पास फिलहाल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का कोई वैकल्पिक साधन उपलब्ध नहीं है। टेंडर अवधि समाप्त होने के बावजूद ऑपरेटरों से सीएनजी से चलने वाली लो फ्लोर बसों का संचालन कराया जा रहा था। शहर में फिलहाल मुश्किल से 50 लो फ्लोर बसें ही संचालित हो रही हैं। यदि यह विवाद बढ़ता है, तो मई महीने में बसों का संचालन बंद हो सकता है। बताया जाता है कि भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड को सरकार ने स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी को सौंपने का निर्णय लिया है, लेकिन इसकी प्रक्रिया धीमी गति से चल रही है। इससे पहले इलेक्ट्रिक बसें लाकर संचालन शुरू करने का दावा किया गया था, लेकिन अब तक इसका ढांचा तैयार नहीं हो सका है।

20 ई-बसें दौड़ाने की तैयारी: राजधानी में जल्द ही ई-बसें चलाने की तैयारी की जा रही है। पहले चरण में जून से 20 बसें सड़कों पर उतारी जाएंगी, जिससे शहरवासियों को राहत मिलने की उम्मीद है। ई-बसों के लिए संत नगर में आधुनिक सुविधाओं से लैस डिपो बनाया जा रहा है, जिसकी लागत करीब 20 करोड़ रुपये है। निर्माणाधीन डिपो में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है।

यहां 150 ई-बसों को खड़ा किया जा सकेगा। साथ ही, उनके रखरखाव और मेंटेनेंस की व्यवस्था भी होगी और पूरा परिसर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रहेगा।

नवागत महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने मीडिया से की सौजन्य भेंट

साझा की पश्चिम मध्य रेल की उपलब्धियां और भावी कार्ययोजनायें

जबलपुर ■ निसं

पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने मीडिया से सौजन्य भेंट करते हुए बताया कि नई रेललाइन परियोजनाओं, अधोसंरचनात्मक निर्माण कार्यों, अमृत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों को गति प्रदान करने, यात्री सुविधाओं में विस्तार एवं संरक्षा कार्यप्रणाली और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं।

मुख्यालय एवं मंडल स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर बेहतर रेल संचालन और उत्कृष्ट सेवाएं सुनिश्चित की जा रहीं हैं । महाप्रबंधक सिंह ने कार्यालय के मंत्रणा सभागार में मीडिया कर्मियों को बताया कि पश्चिम मध्य रेल में माल लदान, यात्री संख्या एवं राजस्व के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 पश्चिम मध्य रेल के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर कमीशनिंग, नई लाइन बिछाने, दोहरीकरण/तिहरीकरण, रेल फ्लाईओवर निर्माण, स्क्रैप बिक्री, यात्री सुविधाओं के विस्तार, सुरक्षित एवं सुचारु रेल परिचालन तथा तकनीकी नवाचारों के साथ उपलब्धियों से भरा वर्ष साबित हुआ। महाप्रबंधक ने बताया कि स्क्रैप निस्तारण के माध्यम से संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करते हुए अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया गया।

महिला मोर्चा आज 'नारी शक्ति वंदन' के समर्थन में निकालेगा मशाल जुलूस

महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति सजग, विपक्ष को सिखायेंगी सबक-अश्विनी परांजपे

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में महिला मोर्चा 28 अप्रैल, मंगलवार को भोपाल में मशाल जुलूस निकालेगा। मशाल जुलूस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल, मध्यप्रदेश शासन की महिला मंत्री, सांसद एवं विधायक बहनें, महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बहनें शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि सोमवार को महिला मोर्चा की बहनों ने विधानसभा के विशेष सत्र की कार्यवाही का अवलोकन कर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझा। महिला नेत्रियों ने संकल्प लिया कि सभी बहनें लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए देश की आधी आबादी को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगी।

मशाल जुलूस में शामिल होंगे मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व पदाधिकारी बहनें : भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे ने कहा कि मंगलवार 28 अप्रैल को सायं 5 बजे महिला मोर्चा द्वारा भोपाल में मशाल जुलूस निकाला जाएगा।

मशाल जुलूस सोमवारा पुलिस चौकी से प्रारंभ होकर सुभाष चौक होते हुए लखेरापुरा पहुंचेगा। मशाल जुलूस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल, मध्यप्रदेश शासन की महिला मंत्री, सांसद व विधायक बहनें, महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल होंगी। इस आयोजन के माध्यम से महिला मोर्चा यह संदेश देगा कि मध्यप्रदेश सहित देश की बहनें अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं और महिलाओं के अधिकारों में रोड़ा अटकाने वाले विपक्षी दलों को देश की नारी शक्ति सबक सिखाने को तैयार है।

महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाकर देश की तस्वीर और तकदीर बदलने का बड़ा प्रयास था

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की संसद और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए लाए गए 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का विरोध महिलाओं के अधिकार और सम्मान का हनन है। कांग्रेस और विपक्षी दलों ने संसद में इस अधिनियम को पारित नहीं होने दिया। कांग्रेस और विपक्षी दलों ने 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का विरोध कर महिलाओं का अधिकार छीना है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाकर देश की तस्वीर और तकदीर बदलने का बड़ा प्रयास था, जिसे कांग्रेस और विपक्षी दलों ने पूरा नहीं होने दिया।

अनमोल वचन

अच्छा निर्णय अनुभव से प्राप्त होता है लेकिन दुर्भाग्यवश अनुभव का जन्म गलत निर्णयों से होता है।
रीटा माए ब्राउन

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते है।
अज्ञात

सम्पादकीय

ट्रंप का नरक कुंड वाला बयान, मोदी भाजपा पर भारी?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत को नरक कुंड बताकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए एक नई मुसीबत खड़ी कर दी है। 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान ट्रंप का यह बयान आया। इस पर जो प्रतिक्रिया भारत की होनी थी, अभी तक नहीं हुई है। जिस तरह से सोशल मीडिया पर ट्रंप का यह बयान तूल पकड़ रहा है। सोशल मीडिया में जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी और हिंदू संगठनों को निशाने पर लिया जा रहा है। उससे आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी और हिंदूवादी संगठनों को जवाब देना मुश्किल हो सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों पागलपन के एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जिसमें वह किसी के बारे में कुछ भी बोल देते हैं। उनकी बोली हुई बातों को दुनिया के देशों में गंभीरता से नहीं लिया जाता है। वह सुबह कुछ और बोलते हैं, शाम को कुछ और बोलने लगते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने टेरिफ को लेकर बार-बार अपने बयान बदले। ईरान युद्ध के दौरान अपने बयानों को बार-बार बदला। वह किसी के ऊपर कोई भी आरोप लगा देते हैं। जिस तरह की छवि डोनाल्ड ट्रंप की दुनिया में बन रही है, उसमें वह अमेरिका के राष्ट्रपति कम, सारी दुनिया के लिए एक गैंगस्टर के रूप में अपनी पहचान बनाते हुए दिख रहे हैं। भारत की संस्कृति लाखों वर्ष पुरानी है। भारत का अध्यात्म और भारत देवताओं की भूमि सारी दुनिया के देशों में अलग पहचान हमेशा से रही है। पृथ्वी में सात द्वीप हैं, उसमें सबसे अच्छा देवताओं वाला जम्मू द्वीप भारत में है। इस पवित्र भूमि को डोनाल्ड ट्रंप ने नरक कुंड बताकर हमारे करोड़ों देवी-देवताओं के साथ-साथ भारतवासियों का भी घोर अपमान किया है। इतने बड़े अपमान के बाद भी भारत के हिंदू सम्राट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार केन्द्र में है, उन्हें सारे हिंदू संगठनों का समर्थन प्राप्त है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जिस तरह से भारत का बार-बार अपमान किया जा रहा है। वह अब चरम पर पहुंच गया है। भारत में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया आम जनमानस के बीच हो रही है। आम जनता के बीच से यह प्रतिध्वनि निकलने लगी है। जब इतने बड़े पैमाने पर डोनाल्ड ट्रंप ने हमारे सनातन धर्म, हिंदू संस्कृति और भारत का अपमान किया है। ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी, हिंदू संगठनों के शंकराचार्य से लेकर महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर और अन्य धर्मगुरु चुप्पी साधकर क्यों बैठे हुए हैं? इससे बड़ा अपमान इसके पहले भारत का कभी नहीं हुआ था। जो हिंदू संगठन यहां बात-बात पर खाने में, पीने में और धार्मिक क्रिया-कलापों को लेकर हिन्दू धर्म की आस्थाओं पर विवाद खड़ा करते हैं। वह सब कहां चले गए? अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक बार नहीं, दो बार नहीं, कई बार भारत की अस्मिता और भारत को नीचा दिखाने के लिए तरह-तरह के बयान दिए। अमेरिका से भारतीयों को हथकड़ी-बेड़ी में भारत भेजा। अब तो हद हो गई, डोनाल्ड ट्रंप की हिम्मत इतनी बढ़ गई है, उसने भारत को ही नरक का कुंड बता दिया। हिन्दू धर्म एवं भारतीयों का इससे बड़ा और कौन सा आपमान हो सकता है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस जो भारतीय मूल की हैं। सुंदर पिचाई भारतीय मूल के हैं। ऐसे लाखों भारतीय अमेरिका में रह रहे हैं। कमला हैरिस को छोड़ दें, तो किसी ने भी ट्रंप के बयान को लेकर कोई नाराजी नहीं जताई। भारतीय मूल के लोगों ने ट्रंप का जिस तरह से अमेरिका के चुनाव के दौरान समर्थन किया। अबकी बार ट्रम्प सरकार के नारे लगाए गए। दूसरी बार जब राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ रहे थे, तब भारत में ट्रंप के लिए हवन पूजन भारतीयों ने किया। जो हवन पूजन और ट्रंप की गुणगान करने वाले भारतीय थे। वह भी देवभूमि को नरक कुंड बताने पर चुप्पी साध कर बैठे हुए हैं। इसको लेकर आम जनता के मन में नाराजी देखने को मिल रही है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणाम 4 मई को आ जाएंगे। जिस तरह के हालात भारत में देखने को मिल रहे हैं। उससे ऐसा लग रहा है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को नरक कुंड और पृथ्वी का नरक बताया है। दुनिया भर में भारतीय मूल के एनआरआई अमेरिका सहित अन्य देशों के ट्रंप के बयान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आना, सभी को आश्चर्य में डाल रहा है। भारत में जिस तरह से अमेरिका की कंपनियां कारोबार कर रही हैं। यहां से कमा रही हैं, यहां से खा रही हैं। इसके बाद भी भारत की आस्था के साथ खेलकर भारत को नीचा दिखा रही हैं। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। इन कंपनियों का भारत में बहिष्कार करना होगा। अमेरिका के साथ अपने संबंध खत्म करना चाहिये। ट्रंप, दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से भारत का अपमान कर रहे हैं, भारत सरकार द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जा रही है। इससे लगता है, हम एक बार फिर ईस्ट इंडिया कंपनी और ब्रिटिश सरकार के गुलाम हो गए हैं। सारी दुनिया का आर्थिक, सामाजिक एवं सामरिक परिदृष्य बड़ी तेजी के साथ बदल रहा है। अमेरिका और इजराइल अलग-थलग पड़ गए हैं। चीन-रूस और ईरान ब्रिक्स संगठन के माध्यम से अमेरिका को चुनौती दे रहे हैं। हम अभी भी अमेरिका और इजराइल की गुलामी कर रहे हैं। इससे भारतीय जनता की नाराजी अब स्पष्ट रूप से दिखने लगी है। भारत सरकार को समय रहते ना केवल विदेश नीति में बदलाव करना चाहिए। वहीं भारत का आत्म सम्मान पूर्व की भांति सारी दुनिया में बना रहे, इसके लिए समय रहते अपनी ताकत और दृण इच्छा शक्ति का परिचय देना होगा।

चिंतन-मनन

राजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

भारत-न्यूज़ीलैंड दोनों देशों के लोगों के लिए एक लाभकारी समझौता

राजेश अग्रवाल
(लेखक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव हैं)

आधुनिक आर्थिक इतिहास के अधिकाँश समय के लिए व्यापार का तर्क सरल था: तुलनात्मक लाभ। यह प्रणाली काम करती थी - जब तक कि यह समझौता नहीं हुआ था। हाल के वर्षों में, भू-राजनीतिक तनावों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन के साथ, व्यापार समझौतों की संरचना का फिर से निर्माण किया जा रहा है। समान विचारधारा वाले लोकतंत्रों के लिए, सवाल अब यह नहीं है कि एकीकृत होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह कि कितना गहराई से और कितनी तेजी से एकीकृत होना चाहिए। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की अपनी महत्वाकांक्षा की ओर आगे बढ़ रहा है। देश ने पूर्व -इस बार भारत-प्रशांत क्षेत्र - की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है। भारत ऐसे साझेदारों की तलाश में है, जो आर्थिक एकीकरण और अपने नागरिकों की समृद्धि के लिए इसके दृष्टिकोण को साझा करते हैं। न्यूज़ीलैंड के रूप में, भारत को बिल्कुल ऐसा ही देश मिला।

यह रिश्ता लंबे समय से बन रहा था और पहली नज़र में इसका विस्तार व्यापार से आगे तक है। लगभग 3,00,000 भारतीय मूल के लोग न्यूज़ीलैंड में रहते हैं, जो इसकी आबादी का लगभग 5 प्रतिशत हैं- ये एक ऐसे सेतु का निर्माण करते हैं, जो उतना ही सांस्कृतिक है, जितना कि आर्थिक। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि द्विपक्षीय वस्तु व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 1.3 बिलियन डॉलर पहुंच गया और पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी - यह आंकड़ा तेज वृद्धि का संकेत देता है। सेवा व्यापार भी 13 प्रतिशत बढ़ गया है। दो क्रिकेट राष्ट्रों का एक साथ आना, न केवल रोमांचक है, बल्कि पहले से चल रही साझेदारी को भी रेखांकित करता है।

प्रतिस्पर्धी निर्माण केंद्रों के बीच व्यापार समझौतों के विपरीत, इस साझेदारी की ताकत इसकी पूरक भूमिका में निहित है। भारत पैमाने की पेशकश करता है: 1.4 अरब लोग, एक उभरता हुआ मध्यम वर्ग और एक विश्वस्तरीय डिजिटल और सेवा अवसंरचना। न्यूज़ीलैंड विशेषज्ञता की पेशकश करता है: उच्च-तकनीक कृषि, सतत वानिकी और विशिष्ट निर्माण तकनीक। दोनों देशों की पूरक भूमिका ही इस साझेदारी की नींव है।

बेहतर बाजार पहुंच: एफटीए स्पष्टता और आकर्षक विशेषताओं के साथ संतुलन स्थापित करता है। भारत ने संवेदनशील उत्पादों को बाहर रखा है, जैसे डेयरी, अधिकांश पशु उत्पाद, सब्जियां, चीनी, कृत्रिम शहद, वसा और तेल, हथियार और गोला-बारूद, तांबा और एल्युमिनियम के सामान। शत-प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क हटा दिए गये हैं, जिससे निरंतर मौजूद बाधा समाप्त हो गयी है: यह बाधा प्रमुख शुल्क लाइनों पर 10 प्रतिशत तक के शुल्क के रूप में मौजूद थी। यह प्रगति श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, सिरामिक और कालीन तथा उच्च-वृद्धि वाले वाहन और इंजीनियरिंग उद्योगों के लिए तत्काल प्रतिस्पर्धा आधारित प्रोत्साहन प्रदान करती है। भारत का वस्त्र और परिधान निर्यात, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है, अब न्यूज़ीलैंड के बाजार में प्रवेश कर रहा है, जो लगभग 1.9 बिलियन डॉलर मूल्य के ऐसे सामानों का वार्षिक आयात करता है और शून्य-शुल्क पहुँच की सुविधा देता है। इंजीनियरिंग निर्यात, जो दुनिया भर में 110 बिलियन डॉलर से भी अधिक हो गया है, अब ऐसे बाज़ार में भी वैसी ही गति पकड़ रहा है, जो 11 बिलियन डॉलर के इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। चमड़ा, दवाएँ, समुद्री उत्पाद और प्लास्टिक-ये सभी क्षेत्र जो पहले टैरिफ़ की वजह से बाधित थे-अब आगे बढ़ने और फलने-फूलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भारत-प्रशांत क्षेत्र में विविधीकरण और विस्तार: यह समझौता दोनों देशों को उनके पारंपरिक बाजारों से हटकर अपने व्यापार में विविधता लाने में मदद करता है। एक ओर, यह भारत को न्यूज़ीलैंड-जो संसाधनों से समृद्ध एक विकसित अर्थव्यवस्था है-में शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करता है; वहीं दूसरी ओर, न्यूज़ीलैंड की कंपनियों के लिए यह न केवल दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारतीय बाजार, जहाँ 1.46 अरब लोग रहते हैं, के द्वार खोलता है, बल्कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था तक भी पहुंच सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, यह न्यूज़ीलैंड को चीन पर अपनी निर्यात निर्भरता कम करने में मदद करता है-क्योंकि उसके कुल माल निर्यात का 28% से अधिक हिस्सा चीन जाता है-और साथ ही इसकी आयात आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुदृढ़ता लाने में भी सहायक सिद्ध होता है। अब भारत की पहुंच केवल किसी एक विकसित अर्थव्यवस्था तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसकी पहुंच दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के एक व्यापक क्षेत्रीय इकोसिस्टम तक हो गई है। इससे भारतीय निर्यातकों के लिए अधिक निश्चितता और बड़े पैमाने पर अपना परिचालन करना कहीं अधिक आसान हो गया है। यह बाज़ार तक पहुँच में बिखराव को कम करता है और उन व्यवसायों के लिए एक सुगम मार्ग तैयार करता है, जो प्रशांत क्षेत्र में अपना विस्तार करना चाहते हैं।

भारत में व्यापार-आधारित विकास कई विकल्प देता है। देश के स्तर पर, भारत-न्यूज़ीलैंड एफटीए से व्यापक और संरचना निहित लाभ मिलने की उम्मीद है, जो भारत के निर्यात आधार के भौगोलिक रूप से व्यापक और क्षेत्रीय रूप से विशिष्ट स्वरूप को प्रतिबिंबित करता है। गुजरात के रसायन और रत्न, महाराष्ट्र की दवाएं और वाहन कल-पुर्ज़े, तमिलनाडु के वस्त्र, उत्तर प्रदेश के चमड़े और हस्तशिल्प, पंजाब के कृषि-आधारित उत्पाद, कर्नाटक की दवाएं और इलेक्ट्रॉनिक्स तथा पश्चिम बंगाल की चाय और इंजीनियरिंग सामान-ये सभी बेहतर मूल्य प्रतिस्पर्धा से लाभ प्राप्त करने की स्थिति में हैं। आंध्र प्रदेश और केरल जैसी तटीय अर्थव्यवस्थाओं को समुद्री निर्यात में बेहतर मूल्य प्राप्ति होगी, जबकि पूर्वोत्तर क्षेत्र को चाय, मसाले, बांस और जैविक उत्पादों के लिए बेहतर बाज़ार पहुँच मिल सकती है। अब निर्यात में और विविधता लायी जा सकती है।

सौभाग्य से, व्यापार दोनों तरफ से होता है। भारत ने अपनी 70.03% टैरिफ लाइनों पर टैरिफ में ढील दी है, जबकि 29.97% टैरिफ लाइनों को छूट से बाहर रखा है; इसमें न्यूज़ीलैंड के साथ मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार के 95% मूल्य को शामिल किया गया है। उद्योग के लिए हमारे मुख्य इनपुट पर तुरंत ड्यूटी खत्म कर दी गई है। लकड़ी और लकड़ी के गूदे जैसे आयात से कागज़, पैकेजिंग, फ़र्नीचर और निर्माण क्षेत्रों को मदद मिलेगी। यह समझौता ऊन, और लौह व अलौह पदार्थों के कचरे और स्क्रैप तक पहुँच को भी बेहतर बनाता है, जिससे घरेलू उद्योगों को प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलेगी। ये विनिर्माण को बढ़ावा देने वाले कारक हैं। इनकी लागत कम करके, यह समझौता एक महत्वपूर्ण काम करता है: यह भारतीय विनिर्माण के प्रतिस्पर्धा आधार को बदल देता है।

न्यूज़ीलैंड के लिए, हिसाब-किताब अलग है। भारत का मतलब है बड़ा पैमाना-विविधीकरण की रणनीति में एक ज़रूरी कड़ी, जो इतने बड़े मौके देती है कि कुछ ही देश उसकी बराबरी कर सकते हैं। 422 अरब डॉलर से ज़्यादा के विदेशी निवेश के साथ, न्यूज़ीलैंड की वैश्विक मौजूदगी पहले से ही काफी बड़ी है। भारत सिर्फ़ एक बाज़ार ही नहीं, बल्कि उत्पादन, तकनीक और मानव संसाधन के क्षेत्र में भी साझेदारी का अवसर देता है। 20 अरब डॉलर के निवेश के वादे के साथ, इस रिश्ते का दीर्घावधि रणनीतिक स्वरूप है-एक ऐसा स्वरूप जो रोज़गार पैदा करने, क्षमताओं को मजबूत करने और लेन-देन वाले जुड़ाव से आगे बढ़कर एक ऐसी साझेदारी में विकसित होने के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है जो स्थायी, अंतर्निहित और लंबे समय तक चलने वाली हो।

वस्तु व्यापार से आगे का एफटीए: शायद इस साझेदारी का सबसे अहम पहलू इसकी बुनियादी बातों पर वापसी है: कृषि। कृषि तकनीक एक मुख्य स्तंभ के तौर पर उभरती है। यह समझौता एक 'कृषि उत्पादकता साझेदारी' की रूपरेखा तैयार करता है, जो ज्ञान के आदान-प्रदान की दिशा में आगे बढ़ती है। प्रशीतन-श्रृंखला लॉजिस्टिक्स, सटीक खेती और कटाई के बाद के प्रबंधन में न्यूज़ीलैंड की विशेषज्ञता, पैदावार बढ़ाने और बर्बादी कम करने की भारत की ज़रूरत के अनुरूप है। कीवी फल, सेब और शहद के लिए कार्य योजनाएँ तथा उत्पादकों के लिए 'उत्कृष्टता केंद्र' और तकनीकी सहायता, बाज़ार तक पहुँच के साथ के साथ जोड़ी गई हैं। सेब, कीवी फल और मानुका शहद जैसे उत्पादों का आयात टैरिफ़ दर कोटा, न्यूनतम आयात मूल्य और मौसमी समय-सीमा के ज़रिए नियंत्रित किया गया है।

त्याग, प्रेम और सामाजिक बदलाव की अनोखी मिसाल

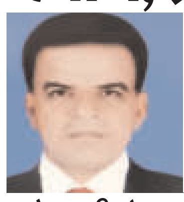

कांतिलाल मांडोत

वैशाली के जंदाहा प्रखंड की खोपी पंचायत में हुई इस घटना ने पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया है। संजू कुमारी, जिनकी शादी चार साल पहले मुकेश कुमार मांझी से हुई थी, अपने पति के महाराष्ट्र में रहने के दौरान सोशल मीडिया के जरिए वरुण कुमार मांझी के संपर्क में आईं। धीरे-धीरे यह संपर्क प्रेम में बदल गया। यह कहानी आज के डिजिटल युग की उस सच्चाई को भी दर्शाती है, जहां फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रिश्तों को जोड़ने के साथ-साथ उन्हें तोड़ने की भी क्षमता रखते हैं।

बिहार के वैशाली जिले से सामने आई यह घटना न केवल चौंकाने वाली है, बल्कि समाज, रिश्तों और मानवीय संवेदनाओं को नए सिरे से सोचने पर मजबूर भी करती है। एक ऐसा समाज, जहां विवाह को जन्म-जन्मांतर का बंधन माना जाता है, वहां एक पति द्वारा अपनी ही पत्नी की शादी उसके प्रेमी से करवा देना असाधारण ही नहीं, बल्कि कई मायनों में एक साहसिक और जटिल निर्णय भी है। यह घटना परंपराओं, भावनाओं और सामाजिक मान्यताओं के बीच चल रहे संघर्ष को उजागर करती है।

वैशाली के जंदाहा प्रखंड की खोपी पंचायत में हुई इस घटना ने पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना दिया है। संजू कुमारी, जिनकी शादी चार साल पहले मुकेश कुमार मांझी से हुई थी, अपने पति के महाराष्ट्र में रहने के दौरान सोशल मीडिया के जरिए वरुण कुमार मांझी के संपर्क में आईं। धीरे-धीरे यह संपर्क प्रेम में बदल गया। यह कहानी आज के डिजिटल युग की उस सच्चाई को भी दर्शाती है, जहां फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रिश्तों को जोड़ने के साथ-साथ उन्हें तोड़ने की भी क्षमता रखते हैं।

जब इस संबंध की जानकारी परिवार और पति को हुई, तब आमतौर पर जैसे विवाद, तनाव या हिंसा की स्थिति बनती है, वैसा कुछ नहीं हुआ। इसके विपरीत, पति मुकेश ने एक ऐसा निर्णय लिया, जिसने सबको हैरान कर दिया। उन्होंने अपनी पत्नी की इच्छा को प्राथमिकता दी और उसे उसके प्रेमी के साथ जीवन बिताने की अनुमति दे दी। इतना ही नहीं, उन्होंने खुद इस शादी की पूरी व्यवस्था की और मंदिर में उपस्थित रहकर 'बाराती' की भूमिका निभाई।

यह घटना केवल एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि त्याग और आत्मबल का उदाहरण भी है। मुकेश का यह कदम यह दर्शाता है कि उन्होंने अपने अहंकार और सामाजिक दबाव से ऊपर उठकर अपनी पत्नी की खुशी को प्राथमिकता दी। यह निर्णय आसान नहीं रहा होगा। एक पति के रूप में, समाज के एक सदस्य के रूप में, और एक व्यक्ति के रूप में उन्हें कई भावनात्मक संघर्षों से गुजरना पड़ा होगा। फिर भी उन्होंने जिस शांति और समझदारी के साथ इस स्थिति को संभाला, वह प्रशंसनीय है।

हालांकि, इस घटना को केवल त्याग की कहानी के रूप में देखना भी अधूरा होगा। यह समाज में बदलते रिश्तों और मूल्यों की ओर भी इशारा करती है। आज के समय में, जहां व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अपनी पसंद को महत्व दिया जा रहा है, वहां पारंपरिक विवाह संस्था भी चुनौतियों का सामना कर रही है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने लोगों को नए संबंध बनाने के अवसर दिए हैं, लेकिन इसके साथ ही जटिलताएं भी बढ़ी हैं।

इस घटना ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि क्या विवाह केवल एक सामाजिक अनुबंध है या दो व्यक्तियों की सहमति और खुशी पर आधारित संबंध? अगर किसी संबंध में प्रेम और विश्वास नहीं बचा, तो क्या उसे जबरदस्ती बनाए रखना सही है? मुकेश का निर्णय इस बात की ओर संकेत करता है कि उन्होंने विवाह को केवल एक सामाजिक बंधन के रूप में नहीं देखा, बल्कि अपनी पत्नी की स्वतंत्रता और खुशी को अधिक महत्व दिया।

दूसरी ओर, इस तरह की घटनाएं समाज में कई तरह की प्रतिक्रियाएं भी उत्पन्न करती हैं। कुछ लोग इसे त्याग और महानता का उदाहरण मानते हैं, तो कुछ इसे पारंपरिक मूल्यों के टूटने के रूप में देखते हैं। कई लोगों के लिए यह स्वीकार करना कठिन है कि एक पति अपनी पत्नी की शादी किसी और से करवा सकता है। यह सोच हमारे समाज में गहराई से जमी हुई मान्यताओं को चुनौती देती है।

सोशल मीडिया की भूमिका भी इस घटना में महत्वपूर्ण है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म ने जहां दूरियों को कम किया है, वहीं यह रिश्तों में नई जटिलताएं भी लेकर आया है। कई बार लोग आभासी दुनिया में ऐसे संबंध बना लेते हैं, जिनका वास्तविक जीवन पर गहरा असर पड़ता है। यह घटना इस बात का उदाहरण है कि कैसे डिजिटल माध्यमों से बने संबंध वास्तविक जीवन के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं।

इस पूरे घटनाक्रम में एक और महत्वपूर्ण पहलू है-संवाद और सहमति। अगर मुकेश चाहते, तो इस स्थिति को विवाद या संघर्ष में बदल सकते थे। लेकिन उन्होंने संवाद का रास्ता चुना और अपनी पत्नी की इच्छा को समझने की कोशिश की। यह दर्शाता है कि किसी भी रिश्ते में संवाद कितना महत्वपूर्ण होता है।

अंतत:, यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि रिश्तों का असली आधार क्या होना चाहिए-सामाजिक दबाव या व्यक्तिगत खुशी? क्या त्याग का मतलब हमेशा खुद को मिटा देना होता है, या फिर यह भी हो सकता है कि हम किसी और की खुशी के लिए अपने अहंकार को त्याग दें?

वैशाली की यह घटना कोई सामान्य घटना नहीं है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसमें प्रेम, त्याग, साहस, और सामाजिक बदलाव के कई रंग एक साथ दिखाई देते हैं। यह हमें यह सिखाती है कि हर रिश्ता अलग होता है और हर स्थिति का समाधान भी अलग हो सकता है। जरूरी यह है कि हम किसी भी निर्णय को समझदारी, संवेदनशीलता और आपसी सम्मान के साथ लें।

इस घटना ने भले ही समाज को चौंकाया हो, लेकिन यह एक नई सोच की शुरुआत भी हो सकती है।जहां रिश्तों को बंधन नहीं, बल्कि समझ और सहमति के आधार पर देखा जाए।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार -स्तम्भकार)

अमेरिकी राष्ट्रपति पर हमला मतलब सुरक्षा में भारी चूक

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर-जो परंपरागत रूप से प्रेस की स्वतंत्रता और सत्ता के बीच संवाद का प्रतीक माना जाता है। इस बार एक भयावह सुरक्षा चूक का गवाह बन गया। जिस आयोजन में पत्रकार, राजनेता और नीति-निर्माता एक मंच पर आते हैं, वहीं गोलियों की आवाज़ ने लोकतंत्र के इस उत्सव को दहशत में बदल दिया। शनिवार रात आयोजित इस कार्यक्रम में एक सशस्त्र हमलावर ने सुरक्षा घेरा तोडने की कोशिश की और गोलीबारी कर दी। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि अमेरिकी राष्ट्रपति को तत्काल कार्यक्रम से सुरक्षित बाहर लेकर जाना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति पर हुआ हमला केवल एक व्यक्ति या पद पर आघात नहीं है, बल्कि यह विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक की संस्थाओं, स्थिरता और सुरक्षा व्यवस्था पर सीधा प्रश्नचिन्ह है। अमेरिका जैसे देश, जो वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के शासन का प्रतिनिधित्व करता है, वहां इस तरह की घटना गहरी चिंता पैदा करती है। सबसे पहले, यह घटना बताती है कि दुनिया के सबसे सशक्त देशों में भी सुरक्षा तंत्र अभेद्य नहीं है। राष्ट्रपति की सुरक्षा को अत्यंत उच्च स्तर का माना जाता है, फिर भी यदि उस पर हमला संभव हो जाता है, तो यह सुरक्षा एजेंसियों की रणनीति और खुफिया तंत्र की समीक्षा की मांग करता है। यह केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि संभावित रूप से बढ़ती आंतरिक अस्थिरता का संकेत भी हो सकता है। दूसरा पहलू राजनीतिक ध्रुवीकरण का है। हाल के वर्षों में अमेरिका में वैचारिक विभाजन तीव्र हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में हिंसक घटनाएं केवल सुरक्षा की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक असंतोष और राजनीतिक कट्टरता के उभार का परिणाम भी हो सकती हैं। यदि लोकतांत्रिक संवाद की जगह आक्रोश और हिंसा ले लेते हैं, तो यह किसी भी लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। तीसरा, इस घटना के अंतरराष्ट्रीय प्रभाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। अमेरिका वैश्विक राजनीति का केंद्र है, और वहां की अस्थिरता का असर विश्व अर्थव्यवस्था, कूटनीति और सुरक्षा पर पड़ सकता है। सहयोगी देशों के लिए यह चिंता का विषय है कि क्या अमेरिका अपनी आंतरिक चुनौतियों के बीच वैश्विक नेतृत्व की भूमिका प्रभावी ढंग से निभा पाएगा। हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि लोकतंत्र की असली ताकत उसकी पुनरुत्थान क्षमता में होती है। अमेरिका ने अपने इतिहास में कई संकट देखे हैं-चाहे वह गृहयुद्ध हो, आतंकवादी हमले हों या राजनीतिक उथल-पुथल-और हर बार उसने संस्थाओं को मजबूत करते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। यह घटना एक स्पष्ट संदेश देती है कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि उसे निरंतर संवाद, सहिष्णुता और संस्थागत मजबूती की आवश्यकता होती है। अमेरिका के लिए यह आत्ममंथन का क्षण है-और दुनिया के अन्य लोकतंत्रों के लिए भी एक चेतावनी कि राजनीतिक असहमति को हिंसा में बदलने से रोकना कितना आवश्यक है। यह घटना सिर्फ एक आपराधिक कृत्य नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की गहरी खामियों को उजागर करती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर होटल में पहले से ठहरा हुआ था और सुरक्षा जांच में कई स्तरों पर चूक हुई-यहां तक कि कुछ क्षेत्रों में पर्याप्त निगरानी और मेटल डिटेक्टर जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं भी नहीं थीं।सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि हमलावर हथियारों के साथ कार्यक्रम स्थल के काफी करीब पहुंच गया और उसने एक सुरक्षा चौकी पर हमला किया। यदि यह हमला कुछ सेकंड और सफल हो जाता, तो इसके परिणाम कहीं अधिक भयावह हो सकते थे। एक एजेंट के घायल होने की खबर इस बात का संकेत है कि खतरा कितना वास्तविक था। यह सवाल उठना स्वाभाविक है-क्या अमेरिका जैसे देश में, जहां सुरक्षा एजेंसियां दुनिया की सबसे सक्षम मानी जाती हैं, इतनी बड़ी चूक कैसे हो सकती है? व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह उस लोकतांत्रिक भावना का प्रतीक है।

खास बात

तार्किक विसंगति बनाम चुनाव आयोग का कुतर्क

पश्चिम बंगाल के चुनाव में आयोग ने 60 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम तार्किक विसंगति के नाम पर मतदाता सूची से काट दिए हैं। चुनाव आयोग ने अभी तक एसआईआर के माध्यम से लगभग 5 ।50 करोड़ मतदाताओं के नाम विभिन्न राज्यों की मतदाता सूची से काट दिए हैं। चुनाव आयोग की ड्यूटी में शामिल है। 18 वर्ष से अधिक का कोई भी व्यक्ति मतदान से ना छूटे। इसके लिए हर साल मतदाता सूची तैयार की जाती है। एसआईआर के नाम पर अभी तक 5.50 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे हैं। जिन राज्यों में एसआईआर होना है। उसको मिलाकर करीब 10 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाने का अनुमान है। मतदाताओं के नाम अलग करने की जो मुहिम चल रही है। उससे चुनाव आयोग चर्चाओं में है।

मतदान के 1 दिन पहले सुप्रीम कोर्ट की ममता पर टिप्पणी?

23 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में पहले चरण का मतदान था। 22 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में ईड़ी की याचिका पर सुनवाई हुई। चुनाव प्रचार और मतदान जब अपने अंतिम चरण में था। तब सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी, संविधान बनाते समय किसी ने नहीं सोचा होगा। एक मुख्यमंत्री किसी जांच एजेंसी के दफ्तर में पहुंचकर हस्तक्षेप करेगा, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कह दिया कानूनी सिद्धांत से फैसला नहीं होगा, सुप्रीम कोर्ट को जमीनी हकीकत भी देखनी होगी। विपक्ष आरोप लगाता है। ईड़ी सरकार के इशारे पर काम करती है। मतदान के एक दिन पहले सुनवाई नियत होना।

पश्चिम बंगाल में 2.50 लाख सुरक्षा कर्मी?

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 2.50 लाख सुरक्षाकर्मी बाहर से लाए गए हैं। इसमें अधिकांश केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान हैं। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। ढाई लाख सुरक्षाकर्मी शांतिपूर्वक चुनाव नहीं करा पा रहे हैं। मतदान के प्रथम चरण में भारी अराजकता देखने को मिल रही है। पश्चिम बंगाल को एक तरह से सुरक्षाकर्मियों द्वारा घेर लिया गया है। उसके बाद भी शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न नहीं हो पा रहा है। ऐसी स्थिति में 7 करोड़ मतदाताओं का सामना कैसे केंद्रीय बल करेंगे। इसे आसानी से सोचा और समझा जा सकता है।

5 माह बाद भी नहीं चुना विधायक दल का नेता

बिहार में कांग्रेस के पास कोई संगठन नहीं है। 5 महीने से ज्यादा चुनाव के हो गए हैं। बिहार में इस समय कांग्रेस के मात्र 6 विधायक हैं। अभी तक कांग्रेस अपना विधायक दल का नेता नहीं चुन पाई है। छह विधायक कभी भी पाला बदल सकते हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस ने विधायकों को उनके भाग्य भरोसे पर छोड़ दिया है।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, द्वादशी, मंगलवार, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्रे, व्यय योगे, वलकरणे, कन्या की चंद्रमा, त्रिपुस्कर योग, 34/07 जलखनन, देव प्रतिष्ठा, तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनीमानी, कुशल व्यवसायी होगा।

मेष राशि- उन्नति सिद्ध, वाहन भय, शरीर कष्ट, प्रयास से सफलता मिल सकती है, ध्यान दें।

वृष राशि- खर्च, सिद्धी, शुभ कार्य, कष्ट, मानसिक कार्य एवं सफलता के योग, ध्यान दें।

मिथुन राशि- राज से हानि, विरोध, अपव्यय, लेखन कार्य में रुकावट अवश्य होगी।

कर्क राशि- संतान कष्ट, आर्थिक कष्ट, खर्च, शुभ व्यय, धार्मिक एवं शुभ कार्यों के योग हैं।

सिंह राशि- सफलता, हर्ष, भय, विवाद, कुछ प्रसन्नता के योग, पारिवारिक सुख होगा।

कन्या राशि- हानि, अपव्यय का योग, रोग, मातृ कष्ट, शिक्षा जगत में संतोष रहेगा।

तुला राशि- लाभ, संतान सुख, रोगभय, झुंझलाहट, लेखन कार्य सामान्य प्रगतिकारक होगा।

वृश्चिक राशि- अभीष्ट सिद्धी, स्वजन कार्य सिद्धी, धन लाभ, सामाजिक कार्य व्यावधान के साथ सफल होगा।

धनु राशि- राजभय, स्त्री कष्ट, कार्य सिद्धी, धन लाभ, सामाजिक कार्यों में व्यवधान एवं सफलता।

मकर राशि- विवाद, कष्ट, बाधा, हानि, घरु कष्ट, नौकरी की स्थिति सामान्य अवश्य ही रहेगी।

कुंभ राशि- यश, शुभ कार्य, मुकदमे से लाभ, धार्मिक तथा कुछ अच्छे कार्य भी हो सकते हैं।

मीन राशि- रोगभय, अभीष्ट सिद्धी, अल्प हानि, नौकरी में अनबन बन सकती है, ध्यान दें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

28 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.30 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	08.28 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.41 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.57 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	15.09 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.20 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.35 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	21.51 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.56 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.42 बजे से
3.00 से 4.30		मीन	03.15 बजे से
बजे तक		मेष	04.46 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 118 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 18.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 22.36 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 21.05 बजे को समाप्त। **करण** बव 06.31 बजे तदनन्तर बालव 18.52 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 05'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872693
जूलियन दिन 2461158.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद
तारीख 10
विशेष परशुराम द्वादशी, भौम प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

|| श्री गणेशाय नमः || || श्री सीताराम || || जय श्री राम || || जय हनुमान ||

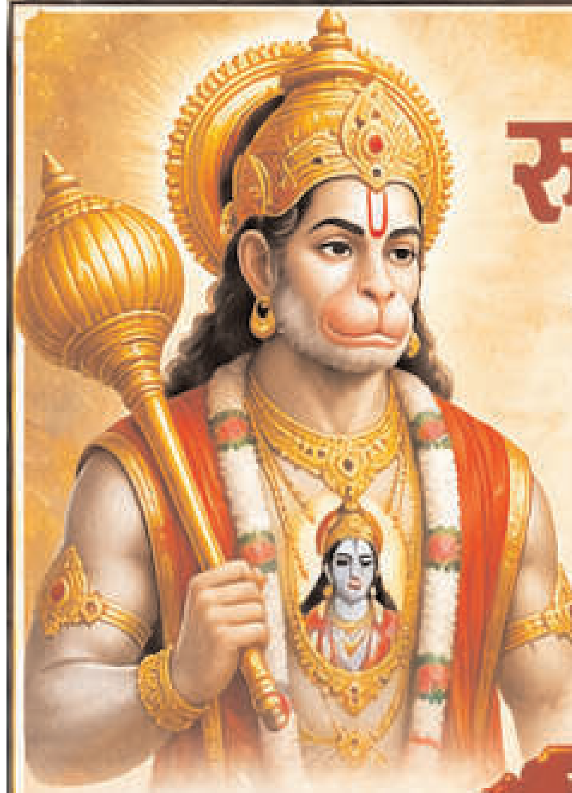

रुका हुआ भाग्य कैसे चलता है?
हनुमान साधना से कार्य सिद्धि का रहस्य

जीवन की हर रुकावट को दूर करने वाली अद्भुत साधना

जब हनुमान जी का हाथ सिर पर हो, तो असंभव भी संभव हो जाता है!

आज की सबसे बड़ी समस्या

न धन की कमी, न अवसरों की कमी...
बल्कि भाग्य का साथ न देना।
कई लोग दिन-रात मेहनत करते हैं,
योग्यता भी होती है, प्रयास भी होता है...
लेकिन जैसे ही सफलता पास आती है,
कोई न कोई रुकावट खड़ी हो जाती है।

- इंटरव्यू क्लियर होते-होते रुक जाता है
- बिजनेस डील आखिरी समय पर टूट जाती है
- रिश्ते बनते-बनते बिगड़ जाते हैं

लोग कहते हैं –
"सब कुछ ठीक होते-होते रुक जाता है..."

समस्या: काम बनते-बनते रुक जाना

यह समस्या तीन कारणों से होती है –

1. मानसिक अस्थिरता
2. नकारात्मक ऊर्जा
3. संकल्प की कमजोरी

और इन तीनों का समाधान है –
हनुमान उपासना

प्रतीकेश्वर जी महाराज
रामायण कथा एवं जीवन मार्गदर्शन प्रवचन

रामायण का सिद्धांत

जहाँ बल, बुद्धि और भक्ति का संगम होता है, वहीं कार्य सिद्धि होती है।

रामचरितमानस के सुंदरकांड में हनुमान जी ने असंभव को संभव किया – समुद्र लांघा, लंका में प्रवेश किया, सीता माता का पता लगाया।

यह केवल कथा नहीं...
कार्य सिद्धि का विज्ञान है।

हनुमान जी का रहस्य

समस्या बड़ी नहीं होती,
कमजोर संकल्प बड़ा होता है।

हनुमान जी केवल बाहरी बाधाएं नहीं हटाते, वे इंसान के अंदर की कमजोरी को खत्म करते हैं।
और जब इंसान अंदर से मजबूत हो जाता है, तो बाहरी दुनिया अपने आप बदलने लगती है।

मंत्र (मुख्य साधना)

|| ॐ हनुमते नमः ||

यह छोटा मंत्र है, लेकिन इसकी शक्ति बहुत गहरी है।

हनुमान चालीसा में भी हनुमान जी को "संकट मोचन" कहा गया है – अर्थात जो बाधाओं को दूर करते हैं।

विशेष साधना – 11 दिन का हनुमान संकल्प

यह साधना आपकी किस्मत बदल सकती है!

1. सुबह स्नान करके या रात में शांत समय चुनें।
2. हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं।
3. आँखें बंद करके अपने रुके हुए काम का संकल्प लें (मन में स्पष्ट बोलें)।
4. 108 बार "ॐ हनुमते नमः" जप करें।
5. यह प्रक्रिया लगातार 11 दिन तक करें (बिना ब्रेक)।

नियम (यही सफलता का रहस्य है)

- एक भी दिन ब्रेक नहीं
- झूठ, नकारात्मकता और बुरी संगति से दूरी
- मन में विश्वास, धैर्य और सकारात्मकता रखें
- जितना संभव हो सात्विक भोजन और शुद्ध आचरण रखें

किसे करना चाहिए यह साधना?

- जिनके काम बार-बार रुक जाते हैं
- जिनका आत्मविश्वास कम है
- जिनको इंटरव्यू/डील में सफलता नहीं मिलती
- जिनके जीवन में दिशा नहीं है
- जिनके प्रयासों का फल नहीं मिल रहा

क्या परिवर्तन आएंगे?

- मन शांत होगा
- निर्णय शक्ति बढ़ेगी
- अवसर दिखने लगेंगे
- रुके हुए काम बनने लगेंगे
- डर और तनाव कम होगा

सबसे बड़ा बदलव – आपका अंदर का डर खत्म होने लगेगा!

लोगों के अनुभव

रोहित सर्मा, जयपुर
11 दिन की साधना की, रुका हुआ प्रमोशन मिल गया।

नेहा अग्रवाल, इंदौर
लगातार असफलता मिल रही थी, अब काम बनने लगे हैं।

अमित वर्मा, दिल्ली
डील आखिरी समय पर टूट जाती थी, अब सब ठीक है।

आप भी अपना अनुभव साझा करें
और दूसरों को प्रेरित करें।

अतिरिक्त लाभ

- नकारात्मक ऊर्जा और बुरी नजर से रक्षा
- आत्मबल, साहस और हिम्मत में वृद्धि
- मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि
- रोग, शोक, भय और चिंता से मुक्ति
- धन और सुख-समृद्धि में वृद्धि

हनुमान जी की कृपा कैसे प्राप्त करें?

हनुमान जी को प्रसन्न करना बहुत सरल है – सच्चा मन, सच्चा संकल्प और सच्ची भक्ति। नियमित नाम जप, सुंदरकांड पाठ, सेवा और सदाचार – यही हनुमान जी की सच्ची आराधना है।

संकल्प मजबूत, जप नियमित – सफलता निशित

साधना के साथ करें ये कार्य

- प्रतिदिन सुंदरकांड का पाठ (या सुनना)
- हनुमान चालीसा का पाठ करना
- मंगलवार या शनिवार को व्रत रखें
- गौ सेवा, गरीबों की सहायता करें
- माता-पिता और गुरुओं का सम्मान करें

संपर्क करें

कथा, प्रवचन, धार्मिक कार्यक्रम व अन्य जानकारी के लिए संपर्क करें
8435108214
8435108214
YouTube
Pratikeshwar Ji Maharaj
सोशल मीडिया पर जुड़ें

राम नाम की ज्योति जलाएं, हनुमान कृपा से जीवन संवारें।
|| जय श्री राम || || जय हनुमान ||

संक्षिप्त समाचार

रहाणे ने जीत का श्रेय रिंकू की पारी को दिया

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) कप्तान आजिंग्य रहाणे ने सुपर ओवर में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत पर खुशी जतायी है। रहाणे ने इस जीत का श्रेय रिंकू सिंह की धमाकेदार बल्लेबाजी को दिया है। रहाणे ने कहा कि रिंकू की पारी ने मैच बदल दिया। उसके कारण ही उनकी टीम एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची। रिंकू ने इस मैच में एक ही ओवर में चार छक्के लगाकर 83 रनों की पारी खेली। इससे अंक तालिका में केकेआर पहली बार एक स्थान ऊपर आयी है। मैच के बाद जब रहाणे ने कहा कि रिंकू की पारी से अंतर आया। रहाणे ने कहा कि रिंकू ने जिस प्रकार से 16 ओवर के बाद बल्लेबाजी की है उससे मैं बेहद खुश हूं।उसकी पारी ने सब बदल दिया। जिस प्रकार उसने अंतिम ओवर में रन बटोरे उससे ही हम मैच में वापस आये।

पाक क्रिकेट विशेषज्ञ बोला, वेभव के बल्ले की जांच कराओं

लाहौर। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के कारण छाये हुए हैं। वैभव ने आईपीएल के इस सत्र में दो शतक लगा दिये हैं। इससे पहले वैभव ने अंडर-19 क्रिकेट में भी धमाकेदार प्रदर्शन किया था। इससे वह क्रिकेट जगत के भविष्य के स्टार माने जा रहे हैं। आईपीएल में तूफानी शतक के अलावा वैभव ने पैट कमिंस, जसप्रीत बुमराह और जोफ्रा आर्चर सहित विश्क क्रिकेट के कई दिग्गज गेंदबाजों की पिटाई की है, उससे सभी हैरान हैं। वहीं दूसरे ओर पाकिस्तान के एक क्रिकेट विशेषज्ञ को किसी उभरते भारतीय खिलाड़ी की इस प्रकार बढ़ती लोकप्रियता सहन नहीं हो रही है। इस पाक क्रिकेट विशेषण ने इसी कारण आरोप लगाय है कि वैभव के बल्ले में एक एक आई चिप लगी हुई है ।

ऋषभ बोले मुझे और टीम को ब्रेक की जरुरत

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में बेहद खराब रहा है और टीम लगातार मिली हार के बाद अंतिम स्थान पर है। टीम के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी होने के बाद भी प्रदर्शन की बात की जाये तो फ्लाप रहे हैं। वह न तो बल्लेबाज के तौर पर रन बना पाये हैं और न ही कप्तान के तौर पर उनकी रणनीति सफल रही है। ऐसे में अब वह दबाव के बीच ही तरोताजा होने के लिए ब्रेक मांग रहे हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली हार के बाद ऋषभ ने स्वीकार किया है कि उन्हें और उनकी टीम को तरोताजा होने के लिए एक ब्रेक की जरुरत है।

रॉयल निमाड़ ईगल्स महिला टीम के लिए भोपाल में क्रिकेट ट्रायल्स आयोजित

प्रदेशभर से 50 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया भाग

भोपाल ■ निसं

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (सिंधिया कप) 2026 के अंतर्गत आईसेक्ट समूह की महिला क्रिकेट टीम 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' के लिए चयन ट्रायल्स का आयोजन स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी, भोपाल परिसर में उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। ट्रायल्स के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीकरण प्राप्त हुए, जिनमें मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई लगभग 50 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया।

इस ट्रायल में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने बैटिंग, बॉलिंग, फील्डिंग एवं विकेटकीपिंग में अपनी क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चयन समिति द्वारा खिलाड़ियों के प्रदर्शन का गहन मूल्यांकन किया गया, जिसमें उनकी तकनीकी दक्षता, फिटनेस, खेल की समझ एवं प्रतिस्पर्धी भावना जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को परखा गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी (कार्यकारी उपाध्यक्ष,AISECT India), डॉ. अदिति चतुर्वेदी वात्स (प्रो-चांसलर,

RNTU), डॉ. सीतेश कुमार सिन्हा (कुलसचिव, SGS), सुश्री शुभ्रा गोयल (ऑब्जर्वर, मध्य प्रदेश लीग), सुश्री भावना श्रीवास्तव (कोच, रॉयल निमाड़ ईगल्स), संजय पांडे (हेड कोच, रॉयल निमाड़ ईगल्स) एवं जी. सतीश कुमार (डायरेक्टर क्रिकेट, रॉयल निमाड़ ईगल्स) उपस्थित रहे।

अतिथियों ने महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे ट्रायल्स प्रदेश की बेटियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल से महिला क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग में पिछले वर्ष प्रेजेंटिंग स्पॉन्सर के रूप में सहभागिता निभाने के बाद आईसेक्ट समूह ने इस वर्ष टीम स्वामित्व के साथ खेल विकास की दिशा में नई पहल की है। 'रॉयल निमाड़ ईगल्स' महिला टीम का उद्देश्य प्रदेशभर से उभरती महिला क्रिकेट प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें पेशेवर प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं प्रतिस्पर्धात्मक अवसर प्रदान करना है।

खेल के माध्यम से युवतियों में आत्मविश्वास

आईसेक्ट समूह के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि ये ट्रायल्स केवल चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि महिला खिलाड़ियों के लिए दीर्घकालिक विकास कार्यक्रम की शुरुआत हैं। उन्होंने कहा कि खेल के माध्यम से युवतियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व और अनुशासन का विकास होता है तथा इस पहल के माध्यम से उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है।

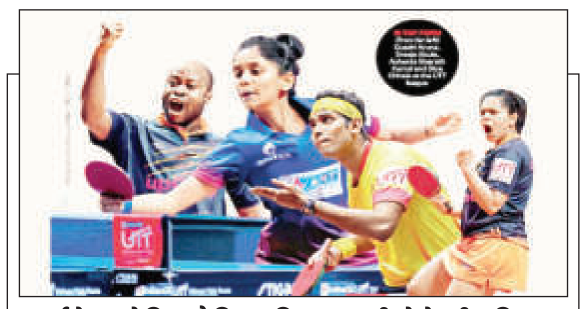

वर्ल्ड टेबल टेनिस चैंपियनशिप : 64 टीमों के बीच खिताब की जंग, ग्रुप टॉप करना भारत के लिए अनिवार्य

पुणे/लंदन (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ की स्थापना के सौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में लंदन में आयोजित होने वाली 2026 वर्ल्ड टीम चैंपियनशिप का मंच सज चुका है। 28 अप्रैल से 10 मई तक चलने वाले इस महाकुंभ में दुनिया भर की नजरें लंदन पर टिकी हैं। यह ऐतिहासिक आयोजन कॉपर बॉक्स एरिना और ओवीओ एरिना वेम्बली में होगा, जहाँ 64 पुरुष और 64 महिला टीमें प्रतिष्ठित स्वेथलिंग और कॉर्बिलोन कप के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगी। भारतीय टीमें इस टूर्नामेंट में एक नए अध्याय की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारतीय खेमे में इस बार एक परिचित उत्साह के साथ-साथ एक अनिश्चितता भी है, क्योंकि यह पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा है जिसमें महान पैडलर अचंत शरद कमल टीम का हिस्सा नहीं हैं। ग्रुप-7 में शामिल भारतीय पुरुष टीम को अपने ग्रुप में प्रबल दावेदार माना जा रहा है। टीम में मानव ठक्कर (विश्व रैंकिंग 38), जी. साथियान (42), मानुष शाह (51), हरमीत देसाई (80) और पायस जैन (127) शामिल हैं। कागजों पर भारतीय टीम स्लोवाकिया, ट्यूनीशिया और ग्वाटेमाला के खिलाफ काफी मजबूत नजर आ रही है। विशेषकर स्लोवाकिया के लुबोमिर पिस्टेज और यांग वांग के सामने भारतीय खिलाड़ियों का पलड़ा भारी है। हालांकि, कड़े मुकाबलों के दौरान जब स्कोरलाइन 2-2 पर आकर टिक जाती है, तब शरद कमल के अनुभव की कमी टीम के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। अब टीम की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे दबाव में अपना मानसिक संतुलन कैसे बनाए रखते हैं।

आईपीएल में आज होगा पंजाब और रॉयल्स में मुकाबला

चंडीगढ़ ■ एजेंसी

आईपीएल में यहां मंगलवार को पंजाब किंग्स की टीम का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स का लक्ष्य अपनी घरेलू मैदान में जीत के सिलसिले को बनाये रखा रहो। पंजाब ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। उसका लक्ष्य ये मैच जीतकर प्लेऑफ में सबसे पहले जगह बनाना रहेगा। वहीं राजस्थान रॉयल्स चौथे स्थान पर हैं और उसके पास भी वैभव सूर्यवंशी , यशस्वी जायस्वाल जैसे खिलाड़ी हैं। ऐसे में कप्तान रियान पराग की रॉयल्स को कमजोर नहीं माना जा सकता है।

इस मैच में रॉयल्स को जीतना है तो उसके सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। रिकी पोंटिंग के मुख्य कोच का पद संभालने और अय्यर के कप्तान बनने के बाद पंजाब किंग्स काफी बेहतर हुई है। वह पिछले सत्र में उपविकेजा रही थी और इस बार उसका लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा। इस सत्र में पंजाब शुरु से ही हावी है। श्रेयस ने अच्छी कप्तानी की है पर उनकी पूरी टीम ने एकजुट होकर अपना योगदान दिया है। उसने इस सत्र में दिल्ली

कैपिटल्स के खिलाफ 265 रन के लक्ष्य भी हासिल कर अपने मजबूत इरादे दिखाये थे।

पंजाब किंग्स की ओर से प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने भी अच्छी बल्लेबाजी कर पावर प्ले में जमकर रन बनाये हैं। वहीं रॉयल्स ने टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की थी पर पहले चार मैच जीतने के बाद से टीम उस निरंतरता को बनाये नहीं रखा पायी। उसने अब तक जो आठ मैच खेलें हैं उनमें कप्तान रियान पराग का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे उसके मध्य क्रम पर दबाव बन रहा है। टीम पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाया था था। उसकी फील्डिंग काफी खराब रही और सनराइजर्स ने 239 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया जिससे भी उसपर दबाव रहेगा। ऐसे में उसे बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीम इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शुइस, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, पाइला अविनाश और विष्णु विनोद.

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह और ब्रिजेश शर्मा.

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 30 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 17 जबकि पंजाब ने 13 जीते हैं। इस प्रकार आंकड़ों में पंजाब भारी है।

एशियाड में अब कुछ महीने शेष

तैयारी की जगह खाली बैठे हैं निकहत समेत सभी भारतीय मुक्केबाज!

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों से पहले भारतीय मुक्केबाजों की तैयारी प्रभावित है क्योंकि राष्ट्रीय कैंप अभी तक शुरू नहीं हुआ। निकहत जरीन समेत कई खिलाड़ी बिना कोच और ट्रेनिंग के इंतजार में हैं, जिससे उनके चयन और प्रदर्शन पर गंभीर असर पड़ सकता है।

राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए भारतीय मुक्केबाजी टीम के चयन की असेसमेंट (आकलन) प्रक्रिया 11 से 15 मई को एनआईएस पटियाला में होनी है, लेकिन पुरुष और महिला मुक्केबाजों का राष्ट्रीय कैंप अब तक शुरू नहीं हुआ है। यह अहम कैंप 25 अप्रैल से एनआईएस पटियाला में शुरू होना था, लेकिन अब तक इसके लिए साई की मंजूरी नहीं मिली है।

कैंप शुरू नहीं होने से बॉक्सरों में रोष है। दो बार की विश्व चैंपियन और ग्लास्गो में 51 किलो में अपने राष्ट्रमंडल स्वर्ण की रक्षा के लिए बेकरार निकहत जरीन कहती हैं कि कैंप नहीं लगने से उनका बहुत नुकसान हो रहा है। वह अपने गृह नगर हैदराबाद में हैं और यहां न कोई

ट्रेनिंग सेंटर है और न ही उनके पास कोच है जिसके चलते वह खाली हैं।

अगर कैंप लगता तो वह फिटनेस पर काम शुरू कर राष्ट्रमंडल-एशियाई खेलों की टीम में चयनित होने की तैयारियां शुरू कर देतीं। हांगझोउ एशियाई खेलों की पदक विजेता निकहत कहती हैं कि कैंप में जितनी देर होगी उतना उनका और अन्य बॉक्सरों का नुकसान होगा।

निकहत अमर उजाला से कहती हैं कि 11 अप्रैल को समाप्त एशियाई चैंपियनशिप के बाद सभी बॉक्सरों को 12 दिन का आराम मिला था। 25 अप्रैल से सभी को असेसमेंट की तैयारियां करनी थीं। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने असेसमेंट के जरिये ही दोनों खेलों के लिए टीम चुननी है।

इसमें फिटनेस टेस्ट होंगे, साथी मुक्केबाजों के साथ बाउट देखी जाएगी। संपूर्ण आकलन के बाद टीम चयनित होनी है। वह सोच रही थीं कि 24 को पटियाला पहुंच जाएंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। निकहत कहती हैं कि कैंप में स्पारिंग पार्टनर होते हैं जिसका फायदा मिलता है।

अन्तर्राष्ट्रीय मेले 'फोयर डे पेरिस' में होगी प्रदर्शित

मप्र की बाग प्रिंट कला को पेरिस में मिलेगा वैश्विक मंच

भोपाल ■ निसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में पारंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय कला को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिये निरंतर प्रभावी प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश की विशिष्ट 'बाग प्रिंट' कला को फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित मेले ' 'फ़ोयर डे पेरिस' में प्रदर्शित किया जायेगा। यह मेला 30 अप्रैल से 11 मई 2026 तक पेरिस के पोर्टे डे वर्साय प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित किया जाएगा। केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा देशभर से चयनित पांच श्रेष्ठ शिल्पकारों में प्रदेश के नेशनल अवार्डी शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री को शामिल किया गया है। वे इस मेले में प्रदेश की 'बाग प्रिंट' कला का प्रतिनिधित्व करते हुए मास्टर क्राफ्ट्समैन के रूप में शामिल होंगे। 'बाग प्रिंट' हस्तशिल्प भौगोलिक संकेत (त्रङ्क) के अंतर्गत संरक्षित है।

लाइव डेमोंस्ट्रेशन से रूबरू होंगे

दर्शक: इस अन्तर्राष्ट्रीय मेले में बिलाल खत्री 'बाग प्रिंट' कला का लाइव प्रदर्शन करेंगे। पारंपरिक प्राकृतिक रंगों, नक्काशीदार लकड़ी के ब्लॉक्स और हस्तनिर्मित तकनीकों के माध्यम से कपड़ों पर उभरती कलाकृतियों को अन्तर्राष्ट्रीय दर्शक प्रत्यक्ष देख सकेंगे। यह भारतीय हस्तशिल्प की गहराई और सौंदर्य को समझने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

परंपरा और आधुनिकता का संतुलित समावेश: इस विशेष प्रदर्शनी के लिए तैयार किए गए डिज़ाइन में भारतीय पारंपरिक शिल्प और आधुनिक वैश्विक सौंदर्यबोध का समन्वय किया गया है। यूरोपीय बाज़ार की पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई ये कृतियां 'बाग प्रिंट' को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देंगी।

इस शिल्प में सूती और रेशमी कपड़ों को पारंपरिक प्राकृतिक प्रक्रियाओं से तैयार किया जाता है।

बाग प्रिंट' की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि

'बाग प्रिंट' मध्यप्रदेश के धार जिले के बाग क्षेत्र की पारंपरिक हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग कला है। बाग एक छोटा जनजातीय कस्बा है, जहां भील और भिलाला समुदाय निवास करते हैं और प्राचीन बाघ गुफाएं भी स्थित हैं। इस कला की परंपरा खत्री समुदाय द्वारा लगभग 400 वर्ष पूर्व सिंध के लरकाना क्षेत्र से आकर स्थापित की गई मानी जाती है।

लोहे के संक्षारण, धवाड़ी फूल और मायरोबालन के मिश्रण के साथ-साथ फिटकरी और एलिज़ारिन का उपयोग किया जाता है। कुशल कारीगरों द्वारा लकड़ी के ब्लॉक्स से डिज़ाइन तैयार कर उन्हें हाथ से भरा जाता है। तैयार वस्त्रों को बहते पानी में धोकर धूप में सुखाया जाता है, जिससे उन्हें विशिष्ट फिनिश प्राप्त होती है। 'बाग प्रिंट' में लाल और काले रंग के ज्यामितीय एवं पुष्पीय रूपांकन प्रमुख होते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 2031 तक अरबपतियों की संख्या बढ़कर 313 हो जाएगी

भारत में दुनिया के तीसरे सबसे अधिक अरबपति हैं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दुनियाभर में हर 24 घंटे में 89 नए लोग 'सुपर-रिच' क्लब में शामिल हो रहे हैं। ये सुपर-रिच लोग वे हैं जिनकी संपत्ति 3 करोड़ डॉलर (करीब 282 करोड़ रुपए) से ज्यादा है। बीते पांच साल में ऐसे सुपर रिच की संख्या 162,191 बढ़ी है। नाइट फ्रैंक की वेल्थ रिपोर्ट 2026 के मुताबिक यह 2021 में 5.51.435 थी. जो 2026 तक बढ़कर 7,13,626 हो गई।

भारत में भी यह तस्वीर उत्साहजनक है। यहां ऐसे बड़े अमीरों की संख्या 2021 में करीब 12,000 से बढ़कर 2026 में 19,877 हो गई, जो 63% की बढ़त है। 2031 तक यह संख्या 27% और बढ़कर 25,217 तक पहुंचने का अनुमान है। 207 अरबपतियों के साथ भारत फिलहाल तीसरे स्थान पर है। अनुमान है कि 2031 तक देश में अरबपति 51% बढ़कर 313 हो जाएंगे। हालांकि ग्लोबल अल्ट्रा-वेल्थ में भारत की हिस्सेदारी अभी मात्र 2.8% है, लेकिन इसकी रफ्तार लगातार बढ़ रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक अगले पांच साल में इंडोनेशिया में अमीरों की संख्या सबसे ज्यादा 82% बढ़ेगी। सऊदी अरब और पोलैंड में यह वृद्धि 63% रहने का अनुमान है। वियतनाम में भी 59% की बढ़त के साथ नए वेल्थ हब उभर रहे हैं।

दबदबा - 4 साल में बने नए सुरपरिच 41% अमेरिका में: दुनिया के सुपर रिच लोगों में

अमेरिका की हिस्सेदारी 2021 में 33% थी, जो बीते पांच साल में बढ़कर 2026 में 35% हो गई है। साल 2031 तक इनकी हिस्सेदारी 41% तक पहुंचने का अनुमान है। बीते 4 साल में बने सभी नए सुपर रिच में से 41% अकेले अमेरिका से हैं।

अरबपति - एशिया-प्रशांत में 1,116; अमेरिका को पछाड़ा: दुनिया में 3,110 अरबपति हैं। इसमें एशिया-प्रशांत 1,116 के साथ पहले स्थान पर है। इसने 965 अरबपतियों वाले उत्तरी अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। पांच साल में सऊदी अरब में अरबपतियों की संख्या सबसे तेजी से 183% बढ़ेगी। इसके बाद पोलैंड में 123%. स्वीडन में 81% बढेगी।

वरुण बेवरेजेज का जनवरी-मार्च तिमाही का मुनाफा बढ़कर 879 करोड़

नई दिल्ली। खाद्य एवं पेय कंपनी पेप्सीको की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी बॉटलर वरुण बेवरेजेज लिमिटेड (वीबीएल) का जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में मुनाफा 20.14 फीसदी बढ़कर 878.71 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दोहरे अंक की मात्रा वृद्धि से समर्थित रही। कंपनी ने जनवरी-मार्च 2025 में 731.35 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय सालाना आधार पर 18.33 फीसदी बढ़कर 6,721.53 करोड़ रुपये हो गई। इस तिमाही के दौरान बिक्री मात्रा 16.3 फीसदी बढ़कर 36.34 करोड़ केस हो गई जो 2025 की इसी तिमाही में 31.24 करोड़ केस थी।

एलएंडटी फाइनेंस ने दर्ज किया 3,003 करोड़ का रिकॉर्ड मुनाफा

मुंबई। देश की प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी एलएंडटी फाइनेंस ने हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का समेकित मुनाफा सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 3,003 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में भी कंपनी का लाभ 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 807 करोड़ रुपये रहा। वित्तीय परिणामों के अनुसार, 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में कंपनी द्वारा दिया गया खुदरा ऋण 26 फीसदी बढ़कर 1,19,508 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। चौथी तिमाही में खुदरा वितरण वार्षिक आधार पर 62 प्रतिशत बढ़कर 24,107 करोड़ रुपये रहा, जो किसी भी तिमाही में अब तक का सबसे अधिक वितरण है।

पेटीएम को नए अवसर, बर्नस्टीन का भरोसा बरकरार

नई दिल्ली। वैश्विक ब्रोकरेज बर्नस्टीन ने पेटीएम पर अपना भरोसा दोहराते हुए कहा है कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) से जुड़े हालिया नियामकीय घटनाक्रम का पेटीएम के कारोबार पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे नए अवसर खुल सकते हैं। ब्रोकरेज ने 1,500 रुपये के लक्ष्य मूल्य के साथ आउटपरफॉर्म रेटिंग बरकरार रखी है, जो करीब 31 प्रतिशत की संभावित बढ़त का संकेत देता है। बर्नस्टीन ने कहा कि नियामक द्वारा पेमेंट्स बैंक लाइसेंस पर कार्रवाई एक क्रमिक घटनाक्रम है। पेटीएम ने 2024 की शुरुआत में नियामकीय कार्रवाई के बाद ही पेमेंट्स बैंक और मूल कंपनी के बीच स्पष्ट अलगाव स्थापित कर लिया था। ब्रोकरेज के अनुसार, पीपीबीएल का संचालन एक वर्ष से अधिक समय से निलंबित होने के कारण पेटीएम के आंकड़ों पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है।

जेन-जी को ओरल हाइजीन के लोकप्रिय ट्रेंड्स पर दोबारा क्यों सोचना चाहिए

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रमुख स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. सोनिया दत्ता के अनुसार आज के दौर में, जहाँ 'सेल्फी' और वायरल वेलनेस हैक्स का बोलबाला है, जेन-जी ब्यूटी इंडस्ट्री में बड़े बदलाव ला रहा है। हालांकि, दंत विशेषज्ञ इस बात को लेकर चिंता जता रहे हैं कि सुंदरता (एस्थेटिक्स) पर ज्यादा ध्यान देने की वजह से लोग असली ओरल हेल्थ को सही से समझ नहीं पा रहे हैं। सोशल मीडिया पर 'दांतों को सफेद करना' और 'सांसों की ताजगी' जैसे ट्रेंड्स तो बहुत छाए हुए हैं, लेकिन ये अक्सर बैक्टीरिया और प्लाक जैसी गहरी समस्याओं को छिपा देते हैं-जो लंबे समय में दांतों की खराबी का असली कारण बनते हैं। इस 'शॉर्टकट कल्चर' से निपटने के लिए, लोग अब समय की कसौटी पर खरे उतरे आयुर्वेदिक सिद्धांतों की ओर वापस लौट रहे हैं। जिन सामग्रियों को सदियों से समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण माना गया है, उन्हें अब

आधुनिक क्लिनिकल मानकों द्वारा भी मान्यता मिल रही है। उदाहरण के लिए, लौंग को इसके शक्तिशाली एंटी-बैक्टीरियल गुणों के लिए जाना जाता है जो दांतों की सड़न को रोकते हैं, जबकि नीम प्लाक को नियंत्रित करने और मसूड़ों को स्वस्थ रखने के लिए एक प्राकृतिक पावरहाउस का काम करता है। इनके साथ पुदीना, बिना किसी हानिकारक रसायनों के लंबे समय तक ताजगी प्रदान करता है, जिससे एक ऐसा संतुलित तरीका तैयार होता है जो प्राचीन ज्ञान और आधुनिक जरूरतों को जोड़ता है। डाबर रेड पेस्ट इन पारंपरिक सामग्रियों को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित फॉर्मूले के साथ पेश करता है। विशेष रूप से, इस उत्पाद को आईडीए (इंडियन डेंटल एसोसिएशन) की आधिकारिक मंजूरी प्राप्त है, जो प्राचीन ज्ञान और आधुनिक दंत चिकित्सा के कड़े मानकों के बीच एक भरोसेमंद कड़ी का काम करता है।

अब पछतावे का होत जब..खाना-पेट्रोल से बिजली तक सब हुई महंगी

डोनाल्ड ट्रंप को वोट देकर पछता रहे अमेरिकी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका में महंगाई ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। किराना, पेट्रोल, बिजली और रोजमर्रा के खर्च तेजी से बढ़ने से परिवारों का बजट बिगड़ रहा है। कई लोगों ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप से राहत की उम्मीद थी, लेकिन नए टैरिफ और पश्चिम एशिया तनाव के कारण हालात और खराब हो गए। सरकारी आंकड़ों में भी ऊर्जा कीमतों और पेट्रोल के दामों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

अब पछताए क्या होत जब चिड़िया चुग गई खेत, इस कहावत को अमेरिकी महसूस कर रहे हैं। वहां आम लोगों पर महंगाई का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। किराना सामान, पेट्रोल, बिजली और रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी ने लाखों परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि नए

अमेरिकी टैरिफ और पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल ने हालात और मुश्किल बना दिए हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, जब अमेरिकी परिवार आर्थिक राहत महसूस करने लगे थे, तभी बढ़ती कीमतों ने उनकी मुश्किलें फिर बढ़ा दीं। इसका असर उपभोक्ता खर्च और आर्थिक विकास दोनों पर पड़ सकता है।

मैं खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही हूं: कैलिफोर्निया के बरबैंक की रहने वाली 66 वर्षीय बुजुर्ग महिला कैटी पेर्रे ने कहा कि वह न्यूनतम वेतन पर सफाई कर्मचारी के रूप में काम करती हैं और अपने ऑटिस्टिक पोते की देखभाल भी करती हैं। उन्होंने कहा कि मैंने डोनाल्ड ट्रंप को वोट दिया था क्योंकि उन्होंने हालात बेहतर करने का वादा किया था, लेकिन अब मैं खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही हूं। कैटी के अनुसार, पहले उनका मासिक खर्च लगभग 2,300 डॉलर था, जबकि उनकी आय 2,400 डॉलर थी। अब खर्च बढ़कर 2,500 डॉलर से ऊपर पहुंच गया है और गुजारा मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया कि परिवार और दोस्तों से जितना उधार मिल सकता था, ले चुकी हैं, लेकिन अब भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है।

ईंधन और खाने का खर्च बढ़ा: क्रिश्चियन डेविटो नाम के 34 वर्षीय कर्मचारी, जो लॉस एंजिल्स के एक बड़े किराना स्टोर में हेल्थ एंड सेफ्टी विभाग में काम करते हैं, ने कहा कि पिछले तीन महीनों में उनके मासिक बिल कम से कम 15 फीसदी बढ़ गए हैं।

उन्होंने कहा कि काम पर आने-जाने का खर्च 50 डॉलर प्रति सप्ताह से बढ़कर 70 डॉलर से ज्यादा हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

विहिप ने पाक-बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर संयुक्त राष्ट्र से लगाई गुहार

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने पाकिस्तान और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों (हिन्दुओं) पर लगातार हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों पर गहरी चिंता जताते हुए संयुक्त राष्ट्र से तत्काल और प्रभावी हस्तक्षेप की मांग की है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष अन्नालेना बेयरबॉक को पत्र लिख कर दोनों देशों में विशेष रूप से हिंदू, सिख, बौद्ध और ईसाई समुदायों के साथ हो रहे उत्पीड़न, जबरन धर्मांतरण और हिंसा के मामलों को उजागर किया है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने सोमवार को मीडिया को जारी पत्र में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार तंत्र की हालिया रिपोर्टों और विशेषज्ञों की टिप्पणियों का हवाला देते हुए बताया कि पाकिस्तान में नाबालिग लड़कियों के जबरन धर्मांतरण और विवाह के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। इन मामलों में अधिकांश पीड़ित महिलाएं हिंदू और ईसाई समुदाय से संबंधित हैं।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए से परिधान क्षेत्र में खुलेंगे नए अवसरः कपड़ा मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सोमवार को नई दिल्ली में ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए गए। कपड़ा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार यह समझौता दोनों देशों के बीच भविष्य के लिए तैयार साझेदारी को दर्शाता है। देश के वस्त्र और परिधान क्षेत्र के लिए एक 'बड़ा प्रोत्साहन' है। न्यूजीलैंड का बाजार भारतीय निर्यातकों के लिए एक बड़ा द्वार खोलने वाला है। आंकड़ों के अनुसार प्रति व्यक्ति आय : न्यूजीलैंड की लगभग 52 हजार डॉलर की उच्च प्रति व्यक्ति आय और शहरी केंद्रों में केंद्रित 53 लाख की आबादी भारतीय उत्पादों के लिए एक प्रीमियम मार्केट सुनिश्चित करती है। आयात की स्थिति : न्यूजीलैंड के कुल वैश्विक आयात में परिधान क्षेत्र की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत है। वर्तमान में न्यूजीलैंड वस्त्रों पर 0.33 अरब डॉलर, परिधान पर 1.27 अरब डॉलर और तैयार उत्पादों पर 0.33 अरब डॉलर का वैश्विक आयात करता है। अब तक भारतीय निर्यातकों को न्यूजीलैंड में 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक के एमएफएन शुल्क का सामना करना पड़ता था, जो विशेष रूप से ऊन, एमएमएफ, कालीन और तैयार परिधानों पर लागू थे।

दिल्लीवासी 30 अप्रैल को करेंगे सोमनाथ की निःशुल्क यात्रा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली के लोगों के लिए 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, सोमनाथ यात्रा' कराने का निर्णय लिया है। इस पहल के तहत 30 अप्रैल को सफदरजंग रेलवे स्टेशन से सोमनाथ धाम के लिए करीब 1300 श्रद्धालु रवाना होंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में पत्रकारों को बताया कि राज्य सरकार यहां के निवासियों के लिए 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, सोमनाथ यात्रा' का आयोजन कर रही है। यह पावन पहल सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 1000 वर्षों की अखंड आस्था को समर्पित है। जिसका उद्देश्य सोमनाथ की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को व्यापक स्तर पर पुनर्स्मरण और प्रसारित करना है। यह यात्रा केवल दर्शन की यात्रा नहीं बल्कि सनातन संस्कृति, भारतीय परंपरा और अपनी आध्यात्मिक जड़ों से जुड़ने का पावन अवसर है। सोमनाथ की कृपा से सनातन मूल्यों का प्रकाश बढ़े, संस्कृति समृद्ध हो तथा जनसेवा का भाव सुदृढ़ हो, यही हमारी प्रार्थना और प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ धाम भगवान शिव की अनंत कृपा, सनातन आस्था और भारत की अमर सांस्कृतिक चेतना का दिव्य प्रतीक है। यह स्थान हमें हमारी उस विरासत की याद दिलाता है, जिसने हर कठिन दौर में भी अपने अस्तित्व और आस्था को अक्षुण्ण बनाए रखा। यह यात्रा उसी अटूट विश्वास और राष्ट्रीय स्वाभिमान का उत्सव है। दिल्ली से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि हमारी सांस्कृतिक जड़ें कितनी गहरी और सशक्त हैं।

सैन्य सहयोग बढ़ाने इजराइल ने यूएई में तैनात किया डोम

अबू धाबी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इजराइल ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अपना अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम तैनात किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम ईरान के साथ चल रहे संघर्ष के दौरान उठाया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और यूएई के राष्ट्रपति के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया। इसके तहत इजराइली सेना ने न केवल आयरन डोम सिस्टम बल्कि इंटरसेप्टर टीम भी यूएई में तैनात की। बताया जा रहा है कि संघर्ष के दौरान ईरान ने यूएई को निशाना बनाते हुए बड़ी संख्या में मिसाइल और ड्रोन हमले किए। यूएई ने दावा किया कि उसने अधिकांश हमलों को हवा में ही निष्क्रिय कर दिया।

सदन में विपक्ष का हंगामा

महिला आरक्षण; सीएम धामी ने राहुल और अखिलेश को बताया कौरव

कोलकाता/हुगली ■ एजेंसी

देहरादून। लोकसभा में महिला आरक्षण लागू करने वाले संविधान संशोधन विधेयक के विफल होने के बाद आज उत्तराखंड में इस पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। सीएम धामी ने कहा कि देश की नारी को विश्वास दिलाते हैं, उनका अधिकार अवश्य मिलेगा। कहा किआधी आबादी को उनका पूरा हक प्रदान करने का प्रयास मिले ताकि मातृशक्ति विकसित भारत के निर्माण में अपनी पूरी क्षमता से योगदान दे सके। वहीं विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने भी सदन में सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है।

राष्ट्रवाद पर सदन में सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। विधायक दिलीप रावत ने कहा कि कांग्रेस का राष्ट्रवाद ऐसा है कि कश्मीर से हमारे पंडितों को भगा दिया। जवाब में सुमित हृदयेश ने कहा कि कांग्रेस ने ही पाकिस्तान के दो टुकड़े किए थे।

पिछला विधानसभा सभा में चुनाव हारने पर सीएम धामी ने कहा कि दुष्प्रचार किया गया कि मेरे चुनाव जीतने और सीएम बनने पर थारू बोक्सा जनजाति की जमीन छीन लेंगे। नतीजतन मैं चुनाव हार गया। लेकिन सब अफवाह साबित हुआ।

सदन में अपने संबोधन में सीएम धामी ने कहा कि मातृशक्ति वंदना योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, जल जीवन मिशन, 12 करोड़ शौचालय, महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा मिली। लखपति दीदी योजना से महिलाओं को समृद्ध बनाने का काम हो रहा है। ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सदन में हंगामे के बीच सीएम धामी का संबोधन जारी है। सीएम ने कहा कि विपक्ष ने देश की गरीब बेटियों के बारे में कभी नहीं सोचा। आज उज्जवला योजना ने मातृशक्ति को चूल्हे के धुएं से मुक्ति दिलाई। राज्य में सिलिंडर की कोई कमी नहीं होगी। चारधाम यात्रा की शानदार शुरुआत हुई है। इतनी भीड़ है कि कुछ लोग रील बनाकर विरोध करने लगे। आपको हमारा विरोध करना है तो करें लेकिन चारधाम को ही बदनाम करने पर उतर आए।

सीएम धामी ने कहा कि कांग्रेस ने विरोध इसलिए किया कि अगर आरक्षण मिल जाता तो इसका श्रेय भी मोदी जी को चला जाता। जबकि मोदी जी इसका श्रेय विपक्ष को भी देने को तैयार थे। देश की आधी आबादी के साथ धोखा हुआ है। पीएम मोदी ने शपथ लेने के साथ ही नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम किया। पिछले 11 वर्षों में जेंडर बजट में पांच गुना की वृद्धि हुई है। हाल के बजट में बेटियों के लिए पांच लाख करोड़ से अधिक का प्रावधान किया गया है। 11 वर्षों में देश में संस्थागत प्रसव 61 से बढ़कर 97त्न हो गया। सुकन्या समृद्धि के तहत 8.2 त्न की ब्याजदर के साथ टैक्स फ्री लाभ दिया जा रहा है।

सीएम धामी ने कहा कि विपक्ष भूल गया कि रावण का अंत भी माता सीता के अपमान की वजह से हुआ था। कहा कि गृह मंत्री ने लोकसभा में स्पष्ट किया कि किसी राज्य की सीटें नहीं घटेंगी। कांग्रेस ने महिलाओं को उनका वास्तविक अधिकार देने में कोई कदम नहीं उठाया। अगर मातृशक्ति को आरक्षण मिल जाता तो किसी का क्या जाता। सीटें बढ़ जाती तो महिलाओं को उनका हक मिल जाता। बढ़ी सीटें तो आखिर महिलाओं को ही मिलनी थी तो फिर इसे रोकने का काम क्यों किया।

मुख्यमंत्री के संबोधन पर सदन में विपक्ष का हंगामा जारी है। सीएम ने कहा कि महिला आरक्षण बिल गिरने पर सभी विपक्ष के नेता खुश हो रहे थे। पूरे देश ने देखा। इस बात पर सदन में विपक्ष आक्रामक हो गया। विपक्ष का आरोप है कि सीएम सदन के समक्ष गलत तथ्य पेश कर रहे हैं।

पीएम मोदी के नेतृत्व में 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम सदन में लाया गया। ये ऐतिहासिक कदम था। पीएम ने अगले लोकसभा चुनाव में देश की आधी आबादी को पूरा हक देने का निर्णायक प्रयास किया, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने मिलकर इसे पास नहीं होने दिया। कहा कि मुझे याद आ गया जैसे कौरवों ने द्रौपदी का अपमान किया था। कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी, सपा के अध्यक्ष अखिलेश का नाम लेते ही सदन में विपक्ष ने हंगामा खड़ा कर दिया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारत के इतिहास में नारी शक्ति के अनंत उदाहरण देखने को मिलते हैं। जैसे रानी लक्ष्मीबाई, सावित्री बाई फुले, कल्पना चावला। नारी शक्ति आज दिशा तय कर रही है। भविष्य गढ़ रही है। सेना, वायु सेना हो या वर्ल्ड कप जीतना हो, हर क्षेत्र में नारी शक्ति भारत का मान सम्मान बढ़ा रही है। तीलू रौतेली हो या जिया रानी, गढ़वाल की रानी कर्णावती हो या चिपको आंदोलन की अग्रदूत गौरा देवी हो।ये ऐसे उदाहरण हैं जब हमारी मातृशक्ति ने खुद को साबित किया। माताओं बहनों ने अपने त्याग से राज्य निर्माण में राज्य की मातृशक्ति की भूमिका थी। नारी शक्ति की सामर्थ्य के बिना किसी भी राज्य की कल्पना करना असंभव है। एक महिला शिक्षित होती है तो वह केवल अपने परिवार को आगे नहीं बढ़ाती बल्कि राष्ट्र को भी आगे बढ़ाती है।

भाजपाध्यक्ष ने राजस्थान में सात पार्टी कार्यालयों का किया उद्घाटन

राजनीति शॉर्टकट नहीं, लंबी दौड़ है, संगठन की मजबूती, कार्यकर्ता ही सबसे बड़ी ताकत : नवीन

जयपुर/टोंक ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपने पदभार संभालने के बाद सोमवार को राजस्थान के पहले दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने टोंक से वर्चुअल माध्यम द्वारा राजस्थान के टोंक, बूंदी, चूरू, पाली, प्रतापगढ़, डूंगरपुर एवं बाड़मेर जिलों में नवनिर्मित भाजपा जिला कार्यालय भवनों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही जालोर जिला कार्यालय का शिलान्यास भी किया।

टोंक में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि पार्टी कार्यालय केवल ईट और बालू से बना ढांचा नहीं होता, बल्कि यह संगठन के संकल्प और विचारों का केंद्र होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन की मजबूती के लिए निरंतर कार्य करें।उन्होंने कहा कि राजनीति में शॉर्टकट से बचना चाहिए। राजनीति 100 मीटर की दौड़ नहीं, बल्कि लंबी दूरी की दौड़ है, जहां धैर्य और निरंतरता की परीक्षा होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को धैर्य, अनुशासन और समर्पण के साथ काम करने की सलाह दी।

नवीन ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जो कार्य किए हैं, उन्हें जन-जन तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसके कार्यकर्ता हैं और उनके बलिदान व मेहनत से ही पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। एक समय ऐसा भी था जब भाजपा के केवल दो सांसद थे और पार्टी का मजाक उड़ाया जाता था, लेकिन कार्यकर्ताओं के समर्पण और संघर्ष से आज पार्टी नई ऊंचाइयों पर पहुंची है। उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत को याद करते हुए कहा कि उन्होंने राजस्थान में संगठन को मजबूत आधार प्रदान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतिम पंक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। राजस्थान आज सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। हम चाहते हैं कि युवा जॉब सीकर नहीं, जॉब गिवर बनें। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ ताकतें देश को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं, जबकि केंद्र सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जो दल अपनी ही माताओं-बहनों को सम्मान नहीं दे सके, वही इस कानून का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर कांग्रेस ने महिलाओं का हक क्यों छीना, उन्हें राजनीतिक भागीदारी से वंचित रखने का प्रयास क्यों किया।

नेपाल के 20 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने उप्र विधानसभा अध्यक्ष से की मुलाकात

लखनऊ। भारत भ्रमण पर आए नेपाल के 20 सदस्यीय मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा में अध्यक्ष सतीश महाना से मुलाकात की। इस दौरान महाना ने कहा कि भारत और नेपाल के मध्य प्राचीनकाल से ही घनिष्ठ एवं आत्मीय संबंध रहे हैं, जो धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक आधार पर निरंतर सुदृढ़ होते रहे हैं।

बीजद ने 'दलबदल' के आरोप में आठ विधायकों की अयोग्यता की मांग की

भुवनेश्वर ■ एजेंसी

बीजू जनता दल (बीजद) ने राज्यसभा चुनाव में पार्टी लाइन से अलग वोट करने वाले अपने आठ विधायकों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए उन्हें ओडिशा विधानसभा से अयोग्य घोषित करने की मांग की है। पार्टी ने इन विधायकों पर दल-विरोधी गतिविधियों और व्हिप का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

बीजद की वरिष्ठ नेता एवं विपक्ष की मुख्य सचेतक प्रमिला मलिक ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि संबंधित विधायकों ने पार्टी हितों के खिलाफ काम किया है और अब उन्हें पार्टी में बने रहने का अधिकार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि या तो वे स्वेच्छा से इस्तीफा दें या अयोग्यता का सामना करें। मल्लिक ने इन विधायकों को चुनौती देते हुए कहा कि यदि उन्हें जनता का समर्थन प्राप्त है, तो वे उपचुनाव लड़कर इसे साबित करें। इस मांग का समर्थन करते हुए बीजद विधायक अरुण कुमार साहू ने बताया कि पार्टी के विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर औपचारिक रूप से अयोग्यता की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित विधायकों ने न केवल पार्टी व्हिप का उल्लंघन किया, बल्कि स्वयं को पार्टी से अलग भी कर लिया। साहू ने कहा कि इस कदम से पहले कानूनी और संवैधानिक विशेषज्ञों से परामर्श लिया गया है। उन्होंने बताया कि इन विधायकों ने कथित तौर पर राज्यसभा चुनाव में पार्टी निर्देशों के बावजूद किसी अन्य उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया। बीजद ने चुनाव से दो दिन पहले अपने विधायकों को पार्टी मुख्यालय में उपस्थित रहने और आधिकारिक बैठक में शामिल होने का निर्देश जारी किया था।

ईरान ने अमेरिका को होर्मुज खोलने का सशर्त प्रस्ताव भेजा

वाशिंगटन ■ एजेंसी

ईरान ने पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) खोलने का सशर्त प्रस्ताव भेजा है। यह प्रस्ताव व्हाइट हाउस को मिल गया है। ईरान और अमेरिका के बीच मूंछ की लड़ाई बन चुके होर्मुज के बंद होने से सारी दुनिया परेशान है। तेल और गैस के संकट ने कई देशों को संकट में डाल दिया है। तेल और गैस से लदे जहाज गुजर नहीं पा रहे हैं।

महत्वपूर्ण और रणनीतिक इस जलमार्ग पर ईरान और अमेरिकी की आंखें निगहबान हैं। कई देश दोनों देशों के बीच सुलह कराने के लिए मध्यस्थता कर रहे हैं। पाकिस्तान में तो एक बार बातचीत भी हो चुकी है। इसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सैन्य विराम बढ़ा चुके हैं। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बातचीत का दूसरा चरण शुरू नहीं हो पाया है। दोनों को मनाने के लिए मध्यस्थ देशों के प्रयास जारी हैं। अमेरिकी न्यूज पोर्टल एक्सियोस और संयुक्त अरब अमीरात के अंग्रेजी अखबार द नेशनल की रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने और होर्मुज को फिर से खोलने पर जोर दिया है। प्रस्ताव का मुख्य फोकस वैश्विक ऊर्जा संकट को कम करना और अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को खत्म करना बताया जा रहा है। इसमें ईरान ने शर्त रखी है कि परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत को बाद के चरण में शुरू किया जाए।

प्रस्ताव व्हाइट हाउस पहुंच तो चुका है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ट्रंप प्रशासन इस पर आगे बढ़ेगा या नहीं? व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने कहा कि अमेरिका ऐसे संवेदनशील कूटनीतिक मुद्दों पर मीडिया के जरिए बातचीत नहीं करेगा। साथ ही अमेरिका किसी भी समझौते में अपनी प्राथमिकताओं से समझौता नहीं करेगा और ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यह प्रस्ताव ऐसे समय पर आया है जब दोनों देशों के बीच बातचीत लगभग ठप है। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों की पाकिस्तान यात्रा रद्द कर दी थी। इस यात्रा को शांति वार्ता का अहम हिस्सा माना जा रहा था। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तान से लगातार बातचीत कर रहे हैं। वह पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर से बात कर रूस पहुंच गए हैं। वहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होने वाली है। एक अमेरिकी अधिकारी और बातचीत से परिचित दो सूत्रों ने पुष्टि की है कि ईरान ने अमेरिका के सामने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और युद्ध को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है।

तीन अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार ट्रंप सोमवार को अपनी शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति टीम के साथ ईरान पर 'सिचुएशन रूम' में एक बैठक करने वाले हैं। एक सूत्र ने बताया कि अराघची ने सप्ताहांत में पाकिस्तान, मिस्र, तुर्किये और कतर के मध्यस्थों को यह स्पष्ट कर दिया कि अमेरिकी मांगों को कैसे पूरा किया जाए, इस पर ईरानी नेतृत्व के भीतर कोई आम सहमति नहीं है। अमेरिका चाहता है कि ईरान कम से कम एक दशक के लिए यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को रोक दे और अपने संवर्धित यूरेनियम को देश से बाहर भेज दे।

अरविंद केजरीवाल के बाद सिसोदिया ने जस्टिस स्वर्ण कांता को चिट्ठी लिखी

हाई कोर्ट में पेश नहीं होंगे आम आदमी पार्टी नेता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया ने जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा की अदालत में खुद या वकील के पेश नहीं होने का एलान कर दिया है।

आबकारी नीति घोटाला मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई से अरविंद केजरीवाल के बाद अब मनीष सिसोदिया ने भी खुद को अलग कर लिया है। मनीष सिसोदिया ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को चिट्ठी लिखी। केजरीवाल की तरह मनीष सिसोदिया ने जस्टिस स्वर्णा कांता शर्मा की अदालत में खुद या वकील के पेश नहीं होने का एलान कर दिया है।

मनीष सिसोदिया ने चिट्ठी में लिखा, मेरी तरफ से भी कोई वकील पेश नहीं होगा। आपके बच्चों का भविष्य सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता के हाथों में है। ऐसे में मुझे न्याय की उम्मीद नहीं है। सत्याग्रह के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा।

वहीं, सीबीआई की अपील याचिका पर न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा द्वारा सुनवाई किए जाने पर आपत्ति जताने के बाद केजरीवाल ने फैसला किया कि वह आगे इस मामले में न तो खुद पेश होंगे और न ही उनके कोई वकील जिरह करेंगे। केजरीवाल ने न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को चार पन्नों का पत्र लिखकर यह जानकारी दी। पत्र में उन्होंने कहा कि मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर यह निर्णय ले रहा हूं। मैं इसके नतीजों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। हो सकता है कि इससे मेरे कानूनी हितों को नुकसान पहुंचे, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। केजरीवाल ने स्पष्ट किया कि वे न्यायमूर्ति शर्मा के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का अपना अधिकार सुरक्षित रखते हैं। उन्होंने लिखा अपने पत्र में अदालत में बहस के दौरान दी गई दलील दोहराते हुए कहा कि न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए।

पत्र में केजरीवाल ने महात्मा गांधी के सत्याग्रह के सिद्धांत का हवाला दिया और कहा कि यह फैसला केवल इसी मामले तक सीमित है।

करीब एक महीने तक रनवे की मरम्मत के बाद फिर उड़ान भरने की तैयारी

जोधपुर एयरपोर्ट आज से पुनः होगा शुरू, फिर टेकऑफ और टेकऑन करेंगे विमान

जोधपुर ■ एजेंसी

रनवे मरम्मत कार्य के चलते पिछले करीब एक महीने से बंद जोधपुर एयरपोर्ट मंगलवार से फिर शुरू हो रहा है। इसी के साथ जोधपुर एयरपोर्ट पर समर शेड्यूल लागू हो जाएगा। इस बार छह शहरों के लिए 9 उड़ानें संचालित होनी हैं। सभी फ्लाइट्स समर शेड्यूल के तहत चलेंगी।

बताया गया है कि दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, पुणे और हैदराबाद सहित छह शहरों से कनेक्टिविटी रहेगी। हमेशा की तरह इस गर्मी में भी जयपुर-जोधपुर फ्लाइट बंद कर दी गई है। इसके अलावा इंदौर के लिए भी फ्लाइट नहीं है, लेकिन दूसरी तरफ इस साल पहली बार गर्मियों में जैसलमेर एयरपोर्ट का संचालन शुरू किया जा रहा है। जैसलमेर एयरपोर्ट से 3 मई से एकमात्र जैसलमेर-जयपुर उड़ान का संचालन एलायंस एयर की ओर से किया जाएगा। इससे जोधपुर आने वाले यात्री जैसलमेर जाकर वापसी में आसानी से जयपुर होते हुए दिल्ली लौट सकेंगे।

एयरपोर्ट निदेशक मनोज उनियाल ने बताया कि 28 अप्रैल से फ्लाइट्स का संचालन वापस शुरू हो जाएगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने हाल में फ्लाइट्स का समर शिड्यूल जारी किया था, जो पूरे देश में 28 मार्च से लागू हो गया था, लेकिन जोधपुर एयरपोर्ट 28 अप्रैल से खुलने के साथ समर शिड्यूल लागू होगा। इसमें दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, पुणे और हैदराबाद के लिए कुल 9 फ्लाइट्स के 18 फेरे संचालित होंगे। पहली फ्लाइट सुबह 8.45 बजे लैंड करेगी और आखिरी शाम 4.15 बजे। जबकि टेकऑफ सुबह 9.20 से शाम 4.45 बजे तक होंगे। इंडिगो और एयर इंडिया के अलावा इस बार एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी जोधपुर से अपनी सेवाएं जारी रखने का निर्णय किया है। एयर इंडिया अपनी एकमात्र जोधपुर-बेंगलूरू उड़ान का संचालन करेंगी।

नए शिड्यूल में जोधपुर से दिल्ली व मुंबई के लिए रोजना दो दो फ्लाइट्स होंगी। बेंगलुरु के लिए दो फ्लाइट्स होगी, लेकिन प्रतिदिन नहीं होगी। इंडिगो की फ्लाइट सोमवार, बुधवार, शुक्रवार व रविवार को उड़ेंगी। जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस की शनिवार को छोड़कर प्रतिदिन संचालित होगी। अहमदाबाद के लिए बुधवार के अलावा सप्ताह के बाकी दिनों फ्लाइट्स मिलेगी। पुणे और हैदराबाद के लिए रोजाना एक एक उड़ान होगी।

उन्होंने बताया कि एयरफोर्स स्टेशन का रनवे भूजल से प्रभावित होने से वापस तैयार हो रहा है। इसके तहत एक से 28 मार्च तक बिना ऑपरेशन रोके ही काम चलता रहा।

पाकिस्तान में मुनीर से मिलकर अराघची रूस रवाना, पुतिन से करेंगे मुलाकात

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

तेहरान ने वाशिंगटन के साथ युद्ध को खत्म करने के लिए अपने कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात के बाद रविवार को ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए रूस रवाना हो गए। अराघची ओमान से लौटकर दोबारा इस्लामाबाद पहुंचे। उन्होंने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक को सारी स्थिति से अवगत कराया।

अल जजीरा, दुनिया न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, आसिम मुनीर और अराघची की मुलाकात पर ईरान के सरकारी मीडिया ने कोई चर्चा नहीं की है। पाकिस्तान के एक राजनयिक सूत्र ने जरूर कहा कि संभवतः अगली बातचीत में जरूर कोई न कोई हल निकल सकता है। अगले दौर की वार्ता में ईरान और अमेरिका के अलावा खाड़ी देश के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, विदेश मंत्री अब्बास अराघची रूस में सोमवार को वे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात में बातचीत की स्थिति पर चर्चा होगी। इससे पहले, इस सप्ताहांत अराघची पाकिस्तान और ओमान में अहम मध्यस्थों से मुलाकात कर चुके हैं।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट में 100 दिवसीय टीबी (क्षय रोग) रोग मुक्त अभियान के जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाई।

भोपाल। आज कलचुरी भवन में सहस्त्रबाहु कलार समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन एवं स्थापना दिवस आयोजित किया। इस अवसर पर समाज की स्मारिका का विमोचन किया। कार्यक्रम में कलार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलीप सूर्यवंशी, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, श्रीमती कृष्णा गौर, संपत्तिया उइके सहित अनेक अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाज की बिटिया जिसने बोर्ड परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त किए उन्हें सम्मानित किया गया।

भोपाल में 1 से 30 मई तक छुट्टी पर रोक

जनगणना में लगे अधिकारी-कर्मचारी नहीं ले सकेंगे अवकाश

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल में 1 से 30 मई तक अधिकारी-कर्मचारियों की छुट्टी पर रोक लगा दी गई है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने यह आदेश जारी किए हैं। आदेश उन्हीं अधिकारी-कर्मचारियों पर लागू होगा, जो जनगणना कार्य में लगे हैं।

दरअसल, 1 मई से जनगणना के तहत मकान सूचीकरण और उनकी गिनती होना है, जो 30 मई तक चलेगा। इस कार्य में भोपाल के 6 हजार से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

सभी प्रकार के अवकाश प्रतिबंधित रहेंगे

मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना संबंधी कार्य को दृष्टिगत रखते हुए सभी प्रकार के अवकाश प्रतिबंधित किए गए हैं। हालांकि, इस दौरान किसी के यहां जरूरी पारवारिक कार्य है या कोई मेडिकल इमरजेंसी हो गई तो उन्हें संबंधित कार्यालय प्रमुख की अनुमति लेना जरूरी होगा।

उन्हीं के लिए अवकाश वाला आदेश लागू होगा।

संक्षिप्त समाचार

बाइक पर टंगे बैग से जेवरात निकालकर ले भागा बदमाश

भोपाल। सागर से एक शादी समारोह में शामिल होने आए परिवार की बाइक पर टंगे बैग से अज्ञात बदमाश ने कीमती जेवरात चोरी कर लिए। घटना पीपुल्स अस्पताल की पार्किंग की है। सीसीटीवी कैमरे खंगालने पर एक युवक बैग से जेवरात निकालता नजर आया है। मामला कायम कर पुलिस फुटेज के आधार पर उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से सागर निवासी जमनाप्रसाद ने अपनी शिकायत में बताया की वह पेशे से खेती-किसानी करते हैं। यहॉं ग्राम सेमरा में रहने वाले उनके जीजा के परिवार में शादी होने के कारण जमना प्रसाद अपनी पत्नी और साली के साथ भोपाल आए हुए थे। 22 अप्रैल की दोपहर बच्चे की तबियत खराब होने पर जमना प्रसाद जीजा की बाइक से पत्नी और साली के साथ पीपुल्स अस्पताल पहुंचे। यहॉं गाड़ी पार्क कर वह अस्पताल के भीतर चले गए। बाद में जब वह लौटकर वापस आये तो देखा की मोटरसाइकिल पर लटके बैग से कीमती जेवरात गायब थे।

छात्र ने जहरीला कीटनाशक खाकर की खुदकुशी

भोपाल। शहर के देहात में ईंटखेड़ी क्षेत्र में रहने वाले एक बीकॉम के छात्र ने जहरीला कीटनाशक खा लिया जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। वहॅं छात्र ने बताया है की कि एक महीने बाद सेकंड एयर की परीक्षा है, इसके तनाव में आकर उसने यह कदम उठाया है। मिली जानकारी के अनुसार खजूरी में रहने वाला गगन ठाकुर पिता प्रहलाद सिंह (20) निजी कॉलेज में बीकॉम सेकंड एयर का छात्र था। शुक्रवार सुबह उसने खेतों में डालने वाली इल्लीमार दवा खा ली थी। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे बेसुध हालत में इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया, वहां गगन ने बताया कि उसने इल्लीमार दवा खा ली।

निर्माणाधीन इमारत की तराई करते समय गिरी वृद्धा की इलाज के दौरान मौत

भोपाल। रानी कमलापति जीआरपी के थाना इलाके में निर्माणाधीन बंसल बिल्डिंग से गिरकर काम के दौरान गिरकर गंभीर रुप से वृद्ध महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। थाना पुलिस के अनुसार 73 वर्षीय ईश्वरिया रिवार उर्फ तारा बाई बिल्डिंग में कई सालों से वहां काम कर रही थी। रविवार को करीब 12 बजे वह वे ग्राउंड फ्लोर पर दीवारों की तराई कर रही थीं। परिजनो ने पुलिस को बताया की तराई करते समय अचानक उनका पैर फिसल गया और वे नीचे गिर गईं। गंभीर हालत में उन्हें इलाज के लिये अस्पताल पहुचांया गया जहॉं उपचार के दौरान वृद्धा ने दम तोड़ दिया।

सरकारी नौकरी में दो साल का नहीं होगा प्रोबेशन पीरियड!

मप्र सरकार ने हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मप्र में 3 साल के प्रोबेशन पीरियड (परिवीक्षा अवधि) को घटाकर 2 साल करने और 70-80-90 प्रतिशत वेतन नियम को समाप्त करने के लिए सरकार तैयार नहीं है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि ऐसा करने से सरकार के ऊपर बड़ा वित्तीय भार आ जाएगा। ऐसे में प्रदेश के 40 हजार सरकारी कर्मचारियों के वेतन और एरियर से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है। इसमें 3 साल के प्रोबेशन पीरियड और इस दौरान मिलने वाले 70-80 और 90 प्रतिशत वेतन के नियम को असंवैधानिक करार दिया गया था।

गौरतलब है कि 6 जनवरी को जबलपुर हाई कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए 2019 के उस सरकारी आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें नए कर्मचारियों के वेतन में कटौती का प्रावधान था। कोर्ट ने समान कार्य के लिए समान वेतन के सिद्धांत को आधार मानते हुए आदेश दिया था कि कर्मचारियों को नियुक्ति के पहले दिन से ही 100 प्रतिशत वेतन और पिछला बकाया (एरियर) दिया जाए। इसके विरोध में प्रदेश सरकार ने सुप्रीम का दरवाजा खटखटाया है। राज्य सरकार के द्वारा दायर एसएलपी वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट की 'डिफेक्ट लिस्ट' में हैं। डायरी नंबर 20778/2026 (सीएनआर: एससी आईएइन 010207782026) के तहत दर्ज इस मामले में रजिस्ट्री ने कुछ तकनीकी कमियां पाई हैं। सरकार के पास इन कमियों को दूर करने के लिए 90 दिनों का समय है। जब तक ये त्रुटियां सुधारी नहीं जातीं, तब तक मामले की औपचारिक सुनवाई शुरू नहीं हो सकेगी।

बढ़ेगा वित्तीय भार: राज्य सरकार का सुप्रीम कोर्ट जाने का मुख्य कारण वित्तीय भार बताया है। यदि हाई कोर्ट का आदेश लागू होता है, तो सरकार को एरियर के रूप में 400 करोड़ का भुगतान करना होगा। सरकार का तर्क है कि प्रोबेशन व वेतन की शर्तें तय करना उसका नीतिगत अधिकार है। ज्ञातव्य है कि सरकार की इस अपील के खिलाफ कर्मचारियों ने तैयारी पुख्ता कर ली है।

हाई कोर्ट में जीत दर्ज करने के बाद वसीम अकरम, अमनदीप सिंह बग्गा, प्रियंका श्रीवास्तव और असद सिद्धिकी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल की गई है। इसका सीधा मतलब यह है कि सुप्रीम कोर्ट सरकार का पक्ष सुनने के साथ-साथ कर्मचारियों का पक्ष भी सुनेगा और बिना उन्हें सुने हाईकोर्ट के आदेश पर कोई एकतरफा रोक (स्टे) नहीं लगा सकेगा। 6 जनवरी 2026 को जबलपुर हाई कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए 2019 के उस सरकारी आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें नए कर्मचारियों के वेतन में कटौती का प्रावधान था। कोर्ट ने समान कार्य के लिए समान वेतन के सिद्धांत को आधार मानते हुए आदेश दिया था कि कर्मचारियों को नियुक्ति के पहले दिन से ही 100 प्रतिशत वेतन और पिछला बकाया (एरियर) दिया जाए। फिलहाल मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित होने के कारण प्रदेश के हजारों शिक्षक, पुलिसकर्मी व कर्मचारियों का एरियर व बढ़ा हुआ वेतन अटक गया है। अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट की पहली सुनवाई पर टिकी हैं, जो सरकार द्वारा कमियां दूर करने के बाद मई में होने की संभावना है।

कमियां सुधारने के लिए 90 दिन

सुप्रीम कोर्ट के नियमों (एससीआर 2013) के अनुसार याचिकाकर्ता (राज्य सरकार) को इन कमियों को सुधारने के लिए 90 दिन का समय दिया जाता है। यदि सरकारी वकील इस अवधि में कमियां दूर नहीं करते हैं तो मामले को जज इन चेंबर के सामने लिस्ट किया जाता है, जहां देरी के लिए जुर्माना लग सकता है याचिका खारिज भी हो सकती है। जब तक ये कमियां दूर नहीं होतीं और रजिस्ट्री केस को सत्यापित नहीं कर देती, तब तक सुनवाई किसी भी बेंच के सामने नहीं होगी। इसका मतलब है कि हाई कोर्ट का 100 प्रतिशत वेतन देने वाले आदेश पर कोई कानूनी रोक नहीं है, पर तकनीकी कारणों से किसी भी कर्मचारी को एरियर का भुगतान नहीं हुआ है। सरकार का तर्क है कि उसे अपनी भर्ती नीतियों और प्रोबेशन की शर्तों को तय करने का नीतिगत अधिकार है।

सेवा भारती नानक मंडल द्वारा मरीजों को निशुल्क भोजन, साथ ही पंछियों हेतु सकोरे वितरण

मानव सेवा के साथ जीव सेवा हमारी संस्कृति-ढालिया

भोपाल ■ अमृत दर्शन

सेवा भारती नानक मंडल द्वारा मानव सेवा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का सराहनीय कार्य किया गया। जवाहरलाल नेहरू कैंसर चिकित्सालय स्थित अन्नपूर्णा भोजन सेवा केंद्र के माध्यम से मरीजों के परिजनों को नियमित रूप से निशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

इसी क्रम में भीषण गर्मी को देखते हुए पंछियों की प्यास बुझाने के उद्देश्य से (मिट्टी के जल पात्र) वितरित किए केंद्र के अध्यक्ष चेतन पटेल एवं सचिव मनोज शर्मा ने सेवाधारियों के साथ 51 सकोरे वितरित कर आमजन से अपील की गई कि वे अपने घरों व आसपास जल पात्र रखकर पक्षियों की सेवा करें। इस अवसर पर सेवा भारती के मीडिया प्रभारी भगवानदास ढालिया ने कहा कि मानव सेवा के साथ-साथ जीव-जंतुओं की सेवा भी हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। यह प्रयास भीषण गर्मी में पंछियों के लिए राहत प्रदान करेगा।

इस अवसर पर शहीद बीरबल सिंह ढालिया जन कल्याण परिषद के अध्यक्ष अशोक सांकले,अमित जैन, डा.अमोल सांकले, सत्येंद्र अग्रवाल,विजय गुप्ता, सुदामा शर्मा, अजय अग्रवाल लाला, मनीष पटेल, मीरा कांटे वाला, सुभाष जैसवानी, संजीव भारल, प्रदीप अग्रवाल, दिनेश पवार, मुकेश अवस्थी, सेवक राम,सुरेश बजाज, अनुज गौर, अमित खूबचंदानी, दीपक जैन आदि उपस्थित थे।

भोपाल में गुरुग्रंथ साहिब के अनादर का मामला

रोकने पहुंचे कमेटी सदस्य पर पुलिस की मौजूदगी में हमला

भोपाल ■ अमृत दर्शन

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र की ग्रीन पार्क कॉलोनी में गुरुग्रंथ साहिब के अनादर और धार्मिक मर्यादा भंग करने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक ने करीब एक साल तक धार्मिक नियमों के विपरीत अपने घर में गुरुग्रंथ साहिब को रखा और उचित सम्मान व स्वच्छता का पालन नहीं किया।

धार्मिक मर्यादा के उल्लंघन का आरोप: पुलिस के अनुसार ग्रीन पार्क कॉलोनी निवासी पवन पखरानी लंबे समय से अपने घर में गुरुग्रंथ साहिब रखे हुए था। स्थानीय लोगों और गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के सदस्यों का कहना है कि जिस स्थान पर ग्रंथ रखा गया था, वहां साफ-सफाई और धार्मिक मर्यादा का ध्यान नहीं रखा गया, जिससे सिख समाज की भावनाएं आहत हुईं।

समझाइश के बाद लिया गया निर्णय: मामले की जानकारी मिलने पर भोपाल गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के सदस्य और पुलिस मौके पर पहुंचे। काफी समझाइश के बाद पवन पखरानी इस बात पर सहमत हो गया कि गुरुग्रंथ साहिब को विधिवत अरदास के बाद सम्मानपूर्वक गुरुद्वारे में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए पुलिस की मौजूदगी में प्रक्रिया तय की गई।

अचानक बिगड़ा माहौल, हमला: हालांकि अरदास शुरू होने से पहले ही स्थिति अचानक तनावपूर्ण हो गई। आरोप है कि पवन पखरानी ने गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के सचिव सरदार हरविंदर सिंह पर हमला कर दिया और उनके साथ मारपीट की। मौके पर मौजूद पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया।

आरोपित गिरफ्तार, जांच शुरू: अशोकागार्डन पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मारपीट, धार्मिक भावनाएं आहत करने सहित अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। एसआई केपी सिंह के अनुसार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

6 साल से स्वास्थ्य बीमा योजना लागू नहीं करी मध्य प्रदेश सरकार ने

कर्मचारियों के वर्षों से लंबित मुद्दों को लेकर आंदोलन की बनी रणनीति

कोर्ट के आदेश के बाद भी 70 80 90% का बंधन समाप्त नहीं कर रही सरकार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि रविवार को कर्मचारियों के मुद्दों को लेकर बैठक रखी गई बैठक में अनुकंपा नियुक्ति में सीपीसीटी का बंधन खत्म करने,नव नियुक्त कर्मचारियों को परिवीक्षा अवधि में 70 80 90% वेतन का आदेश निरस्त कर कोर्ट के आदेश के पालन में 2019 से लाभ प्रदान करने,शिक्षकों की पात्रता परीक्षा निरस्त करने सेवानिवृत कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों के समान महंगाई राहत केंद्रीय दर और केंद्रीय तिथि से प्रदान करने कर्मचारियों का स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने अनुकंपा नियुक्तियों के सभी प्रकरणों को निराकरण करने संविदा आउटसोर्स कर्मचारी के लिए विभागों में नियमित कर्मचारियों की तरह लाभ देने कर्मचारियों को बैंक खातों में केंद्र के समान डेढ़ करोड़ तक के इलाज और अन्य लाभ योजना लागू करने सहित अन्य कई मुद्दों पर बैठक में चर्चा हुई चर्चा के उपरांत आगामी समय में प्रदेश स्तर का आंदोलन करने हेतु सहमति बनी आज की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अतुल मिश्रा,संरक्षक एल एन कैलासिया शिव शंकर रजक मोहन अय्यर भोपाल के जिला अध्यक्ष मोहम्मद सलीम विभागीय समितियों के अध्यक्ष दामोदर आर्य अरुण सोनी आशुतोष शुक्ला सुरेश बाथम राजकुमार चौरसिया पवन मिश्रा मनोज शर्मा आशीष आर्य अभिनंदन दास एस के प्रधान अंकित महावर आदि उपस्थित थे।

भोपाल में लोधी समाज का 'महाकुंभ'

सीएम मोहन यादव, उमा भारती और प्रहलाद पटेल एक मंच पर

राजनीतिक समीकरण बदलने के संकेत

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी का जंबूरी मैदान आज एक बड़े राजनीतिक और सामाजिक आयोजन का केंद्र बनने जा रहा है। शौर्य यात्रा के तहत यह कार्यक्रम बुंदेला क्रांति के महानायक शहीद राजा हिरदेशाह लोधी के बलिदान दिवस पर आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन को लोधी समाज के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।

मंच पर दिखेगा बड़ा राजनीतिक संगम: इस कार्यक्रम की सबसे खास बात भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल का एक साथ मंच साझा करना है। लंबे समय बाद इन दोनों प्रभावशाली नेताओं की मौजूदगी को प्रदेश की राजनीति में नए समीकरणों के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री रहेंगे मुख्य अतिथि: आयोजन में मुख्यमंत्री मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस सामाजिक आयोजन को राजनीतिक दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि यह सीधे तौर पर सत्ता से जुड़ा हुआ नजर आ रहा है।

बड़ी संख्या में जुटेंगे लोग: आयोजकों के मुताबिक, यह आयोजन केवल श्रद्धांजलि कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों की आवाज भी है। प्रदेश भर से लाखों लोगों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है, जिससे कार्यक्रम का प्रभाव और भी व्यापक हो सकता है।

भदौरिया को गोविंदपुरा से अतिक्रमण हटाने का जिम्मा

8 स्वास्थ्य अधिकारियों के जोन बदले; भोपाल में 15 का बदला; कांग्रेस ने उठाए सवाल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने 8 स्वास्थ्य अधिकारी और 7 अतिक्रमण अधिकारियों को इधर से उधर किया है। अतिक्रमण अधिकारी शैलेंद्र सिंह भदौरिया को नरेला से हटाकर गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र सौंपा है। दक्षिण-पश्चिम विधानसभा भी भदौरिया के पास ही रहेगी।

अतिक्रमण अधिकारी सृष्टि भदौरिया को मध्य विधानसभा से हटाकर हुजूर में भेजा गया है। जोन-8 के प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी रवींद्र यादव मध्य विस क्षेत्र देखेंगे। शुभम गौर को मध्य विधानसभा में सहायक अतिक्रमण अधिकारी बनाया गया है।

महेश गौर से जोन-1 और 20 का चार्ज वापस लिया है। वे अब उत्तर विधानसभा क्षेत्र में ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करेंगे। बलवीर मलिक को नरेला और नासिर खान को सांयकालीन अतिक्रमण निरोधक अमले का प्रभारी बनाया गया है। वे कोर्ट में चालानी कार्रवाई के लिए भी प्रभारी अधिकारी बनाए गए हैं।

स्वास्थ्य अधिकारियों को भी बदला: प्रितेश गर्ग को जोन-1, अरविंद चौधरी को जोन-8, जितेंद्र शर्मा को जोन-9, वासुदेव उदेनिया को जोन-10, अमन पाल को जोन-11, रमाकांत यादव को जोन-18, मधुसूदन तिवारी को जोन-19 और विशाल माहेश्वरी को जोन-21 में सहायक स्वास्थ्य अधिकारी का जिम्मा दिया गया है।

कांग्रेस ने सवाल किए: अतिक्रमण और सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों को इधर से उधर किए जाने पर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए हैं। कोलार कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने कहा कि कोलार इलाके में दिखावे के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों के जोन बदले हैं।

पहले जिसके पास जोन-18 था, अब उसे जोन-19 दे दिया गया है। 19 वाले 18 नंबर के जोन में आ गए हैं। दूसरी ओर, कोलार के कई इलाकों में गंदगी पसरी है और जनता परेशान हैं।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित । फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल । मोबाईल नं. 9827054436 ।